पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505 दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

माहेश्वरी महिला

मई 2023
मूल्य : बीस रुपए

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र

महेश नवमी की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बहुत-बहुत बधाई

योगा दिवस

पर्यावरण दिवस

देशभर में महेश नवमी कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया

माहेश्वरी महिला
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का द्विमासिक मुखपत्र
❊ प्रकाशक ❊
माहेश्वरी महिला समिति
22/15, यशवंत निवास रोड, इन्दौर
मो.: 9329211011
maheshwarimahilaind@gmail.com

अध्यक्ष
श्रीमती मनोरमा लड्ढा
उपाध्यक्ष
श्रीमती विमलादेवी साबू
सचिव
श्रीमती लता लाहोटी
संयुक्त सचिव
श्रीमती शोभा सादानी
सदस्य
श्रीमती सुशीला काबरा
श्रीमती गीतादेवी मूंदड़ा
श्रीमती रत्नीदेवी काबरा
श्रीमती कल्पना गगरानी
डॉ. श्रीमती तारा माहेश्वरी
श्रीमती निर्मला जेठा
संपादक मण्डल
संरक्षक-सौ.लता लाहोटी
संपादक-श्रीमती सुशीला काबरा
सह-संपादक-प्रो. कल्पना गगरानी
अध्यक्ष-सौ. सरला काबरा
उपाध्यक्ष-सौ. कांता गगरानी
सचिव-सौ. उर्मिला झंवर
सदस्य-सौ. विनिता लाहोटी

संपादकीय

प्रिय बहनों,

महेश नवमी पर्व की सभी को बहुत-बहुत बधाई

पर्यावरण दिवस व योग दिवस पर लें संकल्प स्वयं भी रहें स्वस्थ, प्रकृति को भी रखें स्वच्छ तभी होगा संरक्षण

देवाधिदेव महादेव, जिनकी कृपा से हमारे माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति हुई एवं क्षत्रिय धर्म छोड़कर वैश्य धर्म की प्राप्ति हुई, जिसमें हम आज हर क्षेत्र में फल-फूल रहे हैं एवं संपूर्ण विश्व में संख्या में बहुत कम होते हुए भी समाज का नाम हर क्षेत्र में रोशन कर रहे हैं। हर क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहते हैं। महेश नवमी पर्व मनाकर भगवान महेश के गुणों को आत्मसात कर अपनाकर हमारी संस्कृति व संस्कारों का संरक्षण करना ही इसका मुख्य उद्देश्य है।

भगवान शिव कल्याणकारी हैं, आशुतोष हैं, शीघ्र ही प्रसन्न होकर सबके मंगल की कामना का आशीर्वाद देते हैं। सेवा, त्याग व सदाचार के गुणों को अपनाते हुए परिवार में छोटे-बड़े सभी में सामंजस्य व सहनशीलता का भाव अपनाकर परस्पर संबंधों में समरसता बनाये रखने का संदेश देते हैं। स्वयं विषपान कर सबको सांसारिक समस्याओं का अभयदान देते हैं। वे संदेश देते हैं कि मानव जीवन का पर्याय संघर्ष ही है, अतः विघ्न तो जीवन में आयेंगे ही, हमें उनका समाधान करना होगा, निराकरण करना होगा।

विघ्न विनाशक बुद्धि के विधाता भगवान महेश के पुत्र गणेश ने माता-पिता की परिक्रमा कर उन्हें संपूर्ण विश्व से भी ज्यादा महत्व व सम्मान दिया और संदेश दिया बुजुर्गों व माता-पिता के सम्मान का। शिव-परिवार के सभी सदस्यों के वाहन भी अलग-अलग गुण धर्म वाले होते हुए भी परस्पर सामंजस्य बनाये रखते हैं व संदेश देते हैं विपरीत स्वभाव वाले भी कितने प्रेम से रहते हैं। माँ पार्वती करुणा, ममता, दया व स्नेह की प्रतिमूर्ति हैं व शीघ्र प्रसन्न होकर माँ अन्नपूर्णा भी कहलाती हैं। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बिखरते परिवार, टूटते दाम्पत्य संबंध, असहाय बुजुर्ग, संस्कारों से अनभिज्ञ, भावी पीढ़ी आदि समस्याओं का साधान शिव-परिवार से प्रतीकात्मक रूप में प्रतीत होता है, जरूरत है संकल्प लेने की, उसे आत्मसात करने की, अपनाने की, तभी यह पर्व मनाना सार्थक होगा।

धन्यवाद, जय महेश।

सुशीला काबरा
संपादक

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी महिला संगठन
राष्ट्रीय अध्यक्ष
सौ. आशा माहेश्वरी
कोटा
*
महामंत्री
सौ. मंजू बांगड
कानपुर
*
कोषाध्यक्ष
सौ. ज्योति राठी
रायपुर
*
संगठन मंत्री
सौ. शैला कलंत्री
येवला
*
निवर्तमान अध्यक्ष
सौ. कल्पना गगराणी
मुम्बई
*
उपाध्यक्ष
सौ. किरण लड्ढा, दिल्ली
सौ. ममता मोदानी, भीलवाड़ा
सौ. मंजूकोठारी, कोलकाता
सौ. मंगल मर्दा, वापी
सौ. कलावती जाजू, हैदराबाद
*
संयुक्त मंत्री
सौ. शशि नेवर, वाराणसी
सौ. सविता पटवारी, जयपुर
सौ. गिरिजा सारडा, नेपाल
सौ. उषा करवा, अमरावती
सौ. पुष्पा तोषनीवाल, पुणे
*
कार्यालय मंत्री
सौ. मधु बाहेती कोटा

अध्यक्षीय

सोना हैं हम, अभी कुंदन बनना शेष है

प्रिय बहनों

महेश नवमी की बधाई व शुभकामनाएं...

परोपकार की भावना, मानवता का मूल।
जिस उपवन में यह बसे, खिलें प्रेम के फूल

2023 में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के त्रयोदश सत्र हेतु अध्यक्ष पद जिस विश्वास प्रेम और आशा के साथ मुझे सौंपा गया उसके लिए मैं आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। संगठन का अध्यक्ष पद मात्र एक पद नहीं हैं अपितु यह एक धरोहर है उन सामाजिक संस्कारों की जिसका प्रवाह समाज की उन्नति को सुनिश्चित करता है। अपने कार्यकाल में मैं भी इस धरोहर को सहेज पाऊँ और समाज के विकास कार्यों में अपना योगदान दे पाऊँ ,ऐसी मंगल कामना मन में लिए अटल जी की कुछ पक्तियां दोहराऊंगी..

सम्मुख फैला अमर ध्येय पथ, प्रगति चिरन्तन कैसा इति अथ,
सुस्मित हर्षित कैसा श्रम श्लथ, असफल, सफल समान मनोरथ,
सब कुछ देकर कुछ न मांगते, पावस बनकर ढलना होगा।
कदम मिलाकर चलना होगा

संगठन के सर्वोच्च पद के लायक स्वयं को बना पायी हूँ यह तो नहीं कह सकती लेकिन समाज सेवा के सुन्दर सफर में जितना कुछ सीख पायी उसे संगठन के उद्देश्यों के पूर्ती हेतु प्रयोग कर पाऊँ यह कोशिश हमेशा करूंगी। पीछे पलट कर देखती हूँ तो जैसे कल की ही बात लगती है। समाज के कार्यों से खुद को जोड़ते हुए और श्रृंखाबद्ध संगठन के पायदानों को आप सभी के साथ चढ़ते हुए अपनी मंजुल आँखों में कुछ स्वपन सजाये हैं। ऐसा ही एक स्वपन इस सत्र का घोष वाक्य है **पर उपकार वचन मन काया**। वही समाज सुख, शांति और विकास के पथ पर आगे बढ़ सकता है जिसके सदस्यों में परस्पर सेवा, त्याग, सदाचार, प्रेम, सौहार्द और सहयोग का व्यवहार हो। ऐसी स्थिति में व्यक्ति में संकीर्ण स्वार्थपरता मैं का अस्तित्व नहीं रहता बरन एक संयुक्त भावना हम का उदय होता है जो संगठन, समाज, एवं राष्ट्र के विकास की प्रगति का सोपान बनता है। इसी कल्याणकारी परंपरा से समृद्ध त्रयोदश राममय सत्र को सार्थक करने हेतु दसों समितियों को मारुतिनंदन की 8 सिद्धियों की तरह स्वरूप दिया गया है जो अपने गुणों और उद्देश्यों के आधार पर अपने नाम को चरितार्थ करती है।

अष्टसिद्धा, संस्कारसिद्धा, स्वयंसिद्धा ,ज्ञानसिद्धा, संस्कृतिसिद्धा, रघुकुल रीतसिद्धा, संकल्पसिद्धा, संचारसिद्धा, युगलसिद्धा, संजीवन सिद्धा...

प्रत्येक समिति में राष्ट्रीय स्तर पर समिति प्रदर्शक, एक राष्ट्रीय समिति प्रभारी, पांच आंचलिक सह प्रभारी, प्रदेश स्तर पर प्रदेश संयोजिका, जिला स्तर पर सह संयोजिका, स्थानीय में समिति सदस्य इस प्रकार श्रृंखलाबद्ध संगठन का लाभ उठाते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन बाल किशोरी एवं महिलाओं के सर्वांगीण विकास, स्वाबलंबन, सुसंस्कृत परिवार, समृद्ध समाज तथा राष्ट्रहित में कार्य करने को संकल्पबद्ध है।

राममय यह सत्र श्री राम के जीवन की नीतियो को वर्तमान समय के अनुरूप समझ कर अपनाने के लिए समाज को प्रेरित करेगा। जीवन तो सभी जीते हैं लेकिन धर्म, ज्ञान, नीति, शिक्षा, गुण, प्रभाव से परिपूर्ण जीवन ही वास्तव में मानव जीवन को यथार्थ करता है।

एक ऐसा राम राज्य जहाँ गार्गी जैसे विदुषी ने अपनी बुद्धिमता का लोहा मनवाया, जहाँ सामाजिक सशक्तिकरण के लिए श्री राम ने समाज के सभी समुदायों को उनके कार्य क्षेत्र में पारंगत होने की शिक्षा दी , एक ऐसा राज्य जहाँ स्त्रीत्व के मान के लिए इतिहास रच दिया गया , जहाँ स्त्री पुनरद्धार को जीवंत किया गया , जहाँ पारिवारिक जीवन के मूल्यों को स्वयं के सुख से अधिक प्राथमिकता दी गयी, एक ऐसा राज्य जहाँ धैर्य, सहनशीलता , त्याग को जीवन की बुनियाद बनाया गया। आज के समय में ऐसी ही आदर्श समाज का सपना मन में सजाये आईये आरम्भ करते हैं, त्रयोदश सत्र , श्री राममय सत्र का।

राम ने जीवन वचन के आगे सुखों का त्याग किया
करके ऋंगार मर्यादा का जीवन राग किया।।
ना वह रुके, ना थके, ना हम रुकेंगे कभी
आज एक उड़ान का हमने भी ऐलान किया
सोना हैं हम, अभी कुंदन बनना शेष है
प्रथम पड़ाव का हमने मंगल शुभारम्भ किया।।

उल्लास और ऊर्जा से भरा हुआ त्रयोदश सत्र आप सभी के साथ और समन्यव के साथ ही अपने उद्देश्यों की प्राप्ति कर पायेगा। मैं आशा ही नहीं पूर्णता विश्वस्त हूं की हमेशा की तरह आप सभी का संमाज के लिए प्रेम और प्रतिबद्धता मेरा मार्ग प्रशस्त करेगा।

हमारे संरक्षक पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रत्न नाम , सचिव ज्योति जी राठी, किरण जी लढा कोषाध्यक्ष, ममता जी मोदानी, संगठन मंत्री वरिष्ट सलाहकार बहने, अंचल उपाध्यक्ष, अंचल सह सचिव सभी समिति प्रभारी , प्रभारी प्रदर्शक , सह प्रभारी, कार्यसमिति, प्रदेश अध्यक्ष ,प्रदेश सचिव श्रृंखलाबद्ध संगठन के सभी पदाधिकारीगण , आप सभी मेरी ज्ञानेंद्रिया एवं कर्मेंद्रियां हैं। आप सभी का साथ और मार्गदर्शन ही मुझे प्रत्येक कार्य के लिए प्रेरित करेगा । आप सभी के प्रेम और विश्वास के लिए एक बार पुनः हृदय से मंजुल आभार।

नवासीन राष्ट्रीय अध्यक्ष **मंजु बांगड़**
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन

''पर उपकार वचन मन काया'' प्रेरक एवं सराहनीय

त्रयोदश सत्र के घोषवाक्य पर उपकार वचन मन काया को चरितार्थ करते हुए उड़ीसा के बालासोर जिला में गत 2 जून को हुए भीषण ट्रेन हादसे में बालेश्वर जिला माहेश्वरी समाज ने जिस तरह मानवता व इंसानियत की मिसाल पेश की, वह प्रशंसा योग्य है। दुर्घटना की रात से ही उत्कल प्रदेश के अध्यक्ष श्री सुशील जी राठी एवं बालासोर जिला माहेश्वरी समाज बंधुओं ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर सेवा कार्य प्रारंभ किया। ट्रेन में फंसे माहेश्वरी परिवारों को सुरक्षित एवम् सकुशल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। बालेश्वर कटक एवं भुवनेश्वर के नजदीकी अस्पतालों में घायलों के लिए रक्त की आवश्यकता पर रात भर कतार में लगकर रक्तदान किया। प्रातःकाल सभी के लिए चाय पानी आदि की व्यवस्था की। समाज की मातृशक्ति ने भीषण गर्मी की परवाह न करते हुए अपने अपने घरों में मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरी सब्जी बनाई। फिर स्थानीय झाड़ेश्वर मंदिर में एकत्रित होकर सभी माहेश्वरी भाइयों, बहनों एवम् बच्चों ने करीब 700 फूड पैकेट्स बना कर वितरित किए। रात्रि में मरीजों के लिए 30 लीटर हल्दी दूध, पानी की बोतलें एवम् टी– शर्ट दिए गए। चिलचिलाती धूप में भी समाज के सभा सदस्यों, महिलाओं एवम् युवाओं ने निःस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएँ देकर, समाज के मूलमंत्र सेवा त्याग सदाचार को सही अर्थ में सार्थक किया है। आपदा की इस घड़ी में न ही सिर्फ माहेश्वरी समाज ने, बल्कि बालेश्वर के सभी स्थानीय संगठनों ने युद्ध स्तर पर अपनी सेवाएं दी। सेवा के इस अप्रतिम भाव को साकार करने हेतु अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन बालेश्वर समाज की सराहना करते हुए हृदय ग्राही नमन करता है वंदन करता है अभिनंदन करता है।

मंजु बांगड़ राष्ट्रीय अध्यक्ष, ज्योति राठी राष्ट्रीय महामंत्री, सभी पदाधिकारी एवं सदस्यगण अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

05.06.23

शुभकामना संदेश

स्नेही स्वजन

जय उमा महेश

महेश नवमी उत्सव की खुशियां मनाएं

एकता और प्रेम की ज्योति जलाए

समाज सेवा में समर्पित करें अपना जीवन

माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस की हार्दिक बधाई–शुभकामनाएं– अभिनंदन

देवाधिदेव महादेव एवं शक्ति स्वरूपा मां पार्वती की महती कृपा से ही माहेश्वरी समाज की जात्योत्पत्ति मानी गई है। हमारी जाति अस्मिता से जुड़े, इस पर्व का उल्लास आप सभी के जीवन में खुशियां ही खुशियां बिखेरे और परिवार तथा इष्ट मित्रों सहित आप सदैव सुख,स्वास्थ्य ,समृद्धि व उन्नति से परिपूर्ण रहे।

भगवान शिव हमारे आद्य आराध्य हैं और सत्यम शिवम सुंदरम के प्रतीक ही नहीं वरन प्रदाता भी हैं। उनका महारूप मानो जीवन की सत्यता से परिचित कराते हुए आनंद का बोध कराता है। मानव मात्र के कल्याण के लिए विषपान कर उनका नीलकंठ स्वरूप दूसरों की भलाई व सेवा का मार्ग प्रशस्त करता है। पर उपकार वचन मन काया की भावना को चरितार्थ करता है। आओ हम सब मिलकर मनसा वाचा कर्मणा से सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय का संकल्प लें्। स्व नहीं पर के प्रति आबद्ध रहे। सेवा, त्याग, सदाचार, सद्भाव ,सहयोग की भावना से परिष्कृत हो समाज उत्थान के प्रति समर्पित रहे। इसी मंजुल कामना के साथ समस्त सभी सुधि जनों को महेश नवमी पर्व की हार्दिक बधाई.. जय श्री राम।

मंजु बांगड़, कानपुर

राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिल भारत वर्षीय महिला संगठन

05.06.23

शुभकामना संदेश

आदरणीय स्नेही स्वजन, जय उमा महेश, जय भारत

महेश नवमी का पावन पर्व हमारे लिए गौरव दिवस है इस दिन साक्षात देवाधिदेव महादेव मां पार्वती के आशीर्वाद से हमारा प्रादुर्भाव हुआ। इस दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए इस पर्व पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम हमारे समाज के परिवारों की समस्याओं को समझ कर उन्हें समाज की अग्रिम पंक्ति में लाने का प्रयास करना चाहिए। समाज में फैली ज्वलंत समस्याओं की ओर विवाह संबंध, तलाक, सगाई से विदाई के पहले ही संबंधों का टूटना, दांपत्य संबंधित समस्याओं को निपटाने के लिए व्यवस्थागत क्रम बनाया जाना चाहिए। घर की बात घर में रहे तो अति उत्तम है पुलिस केस, कोर्ट कचहरी, में हमारे पारिवारिक मामले उलझ रहे हैं। उन्हें रोकने के लिए हमें तहसील, जिला स्तर पर अनुभवी बंधुओं की समिति बनानी चाहिए जो अपने मूल्यवान अनुभवों से समस्याओं का निराकरण कर सके ।

कोरोनाकाल के बाद में अर्थाभाव में जी रहे हमारे स्वजातीय स्वजनों को प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक आर्थिक सहयोग जरूरतमंद एवं निशक्त परिवारों हमारी विधवा निस्सहाय बहनों बच्चों को आर्थिक सहायता देना समाज की युवा पीढ़ी का उच्च शिक्षा के प्रति रुझान है परंतु उन्हें प्रशासनिक परीक्षाओं की ओर भी उनका आकर्षण बढ़ाना।

समाज के कर्णधारओं ,नौनिहालों, किशोरियों के लिए संस्कारों को भविष्य के लिए अक्षुण्ण रखना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को संकल्पित होकर पूर्ण करना है।

पुनः महेश नवमी की बधाई शुभकामना के साथ भगवान उमा महेश से प्रार्थना करते हैं कि सभी को स्वस्थ ,खुशहाल ,समृद्धि एवं प्रगतिशील बनाए।

आशा माहेश्वरी,कोटा, राष्ट्रीय निवर्तमान अध्यक्ष

शुभकामना संदेश

ज्येष्ठ शुक्ल नवमी जिसे हम महेश नवमी के रूप में मनाते हैं। यह हमारा उत्पत्ति दिवस भी कहलाता है। और हम भगवान महेश की संतान कहलाते हैं। वंश उत्पत्ति का पर्व यह पुनीत अवसर या ने स्वयं को समाज एवं राष्ट्र की सेवा में पुनः समर्पित करने का पर्व है। यह वह पर्व है जो हमें अपनी जड़ों से जुड़े रखता है। राष्ट्र के सभी सामाजिक संगठनों में पारंपरिक रूप से मनाया जाने वाला यह त्योहार महापर्व में परिवर्तित होता नजर आ रहा है। घर–घर महेश नवमी हर घर महेश नवमी से पूरा राष्ट्र गुंजायमान हो रहा है। राष्ट्रीय से लेकर स्थानीय तक श्रृंखलाबद्ध संगठन की प्रत्येक कड़ी अनेक विविध कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मना रही है। हम कहां थे और अब कहां हैं प्रगति पथ पर बढ़ते इस सफर में बहुत कुछ हमने पाया तो बहुत कुछ खोया भी है। अपने संस्कार और संस्कृति को सुरक्षित रखते हुए हमें समाज में व्याप्त समस्याओं का निराकरण भी करना है अतः यह पर्व हमारे लिए चिंतन मनन का और अपने आपको समाज के प्रति अपने कर्तव्य को संकल्पित करने का पर्व है। 29 तारीख को आने वाली महेश नवमी की आप सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए देवाधिदेव महादेव से प्रार्थना है कि भगवान महेश आपके व्यक्तिगत व सामाजिक जीवन को प्रकाशमान बनाए रखें। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ

सौ. ज्योति राठी, रायपुर

राष्ट्रीय सचिव

05.06.23

शुभकामना संदेश

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक बधाई, एवम शुभकामनाएं।

हम माहेश्वरियों का उत्पत्ति दिवस। भगवान महेश की संतान है हम। सेवा, त्याग, सदाचार पहचान है हमारी।

हमारी संस्कृति,परंपरा के साथ समाज ओर राष्ट्र कल्याण के लिए रचनात्मक कार्य करते है हम।

बदलते समय को ध्यान मे रखते हुए सामाजिक एकता की भावना जागृत करना,युवा साथी संगठन की ओर आकर्षित हो ऐसे कार्यक्रम लेना। सोशल मिडीया का बोलबाला है। आज की हमारी युवा पीढी ,लडकिया बाहरी चकाचौंध की ओर आकर्षित हो रही है।गलत कदम उठाके मुसीबत मे फंस रही है। हमारी बहनों को भी इस बात से सजग करना होगा। वॉटसप ग्रुप पर आनेवाली ज्ञानवर्धक बाते, जब तक हम आमने सामने बैठकर समझायेंगे नही उसका असर नही होगा। महिलाओं की स्वायत्तता, उनको आत्मनिर्भर बनाना, स्वसंरक्षण के विषय पर कार्यशाला, जो उन्हें अपनी मंजिल की ओर अग्रेसर करें। इस तरह के कार्यक्रम स्थानीय संगठन तक हो इसलिए प्रयास करना होगा। इस विषय को लेके श्रृंखलाबध्द संगठन की तहत आंचलिक, प्रादेशिक, विभागीय टीम बनाके उन्हे ट्रेनिंग देनी होगी। ताकी अंतिम छोर तक हमारा कार्य पहुंच सके ओर हमारी यह मिशन कामयाब हो सके। आज के दिन हम यह संकल्प ले। महेश नवमी के पावन पर्व से प्रारंभ यह वर्ष आप सभीको समाज कार्य के प्रति सजग करे,प्रेरित करे।समाज को आत्मनिर्भर बनाने के कार्य मे आपको सुयश मिले यही भगवान उमा महेश से प्रार्थना करते है।

सौ. शैला कलंत्री, येवला
माहेश्वरी महिला, पत्रिका अध्यक्ष

शुभकामना संदेश

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। जैसा कि हम सब जानते हैं कि महेश नवमी हमारा जातीय उत्पत्ति दिवस व सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक पर्व है।जो हमें हमारे समाजिक कर्तव्यों का बोध कराते हुए, समाजोत्थान व समाज में समरस होने की प्रेरणा प्रति वर्ष देता है। महेश नवमी का पुण्य दिवस हमारे आत्मचिंतन व आत्म परिक्षण का दिवस भी है।

हमें हमारे पूर्वजों द्वारा कठिन मेहनत व लगन से अर्जित किए गए मान सम्मान और गौरव को और अधिक बढ़ाकर,भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना होगा। उनमें अच्छे संस्कारों का सिंचन कर, उन्हें देश व समाज का एक जागरूक घटक बनाना होगा। भगवान महेश जनकल्याणकारी देव है, और हम उनके वंशज हैं। अतः हमें स्वार्थी नहीं परमार्थी बनना होगा। जिस तरह से कीचड़ में भी कमल अपने को स्वच्छ, सुन्दर और सौरभमय बनाए रखता है,उसी तरह आज के इस दूषित वातावरण में रहते हुए भी हमें परोपकार, धर्म, कर्म में सक्रिय रहना है। और मानवता व सामाजिक उत्थान के कार्यों को करते हुए, इस पर्व को आनंद व उत्साह के साथ धूमधाम से मनाना है। धन्यवाद।

श्रीमती लता लाहोटी, पूना
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

05.06.23

शुभकामना संदेश

संयुक्त परिवार विश्व की श्रेष्ठतम व्यवस्था है, जहां बालक एक लघु संसार की कल्पना से परिचित हो जाता है। माहेश्वरी परिवारों में आज भी इसे पोषित और पल्लवित करने का प्रयास रहता है। हम भगवान महेश की संतान है।

शिव परिवार का सामञ्जस्य हमारा आदर्श है।

परस्पर मान सम्मान, सुख दुख में एक दूसरे का संबल बनना, आपसी संवाद से मतभेद भुला कर आशुतोष की तरह शीघ्र प्रसन्न हो जाना,जैसे गुण हमें विरासत में मिले हैं ।भगवान महेश के अनेक नाम है और प्रत्येक नाम उनके विशेष गुणों को दर्शाता है, जो अनुकरणीय है ।

अगर हमें अपने परिवारों को खुशहाल बनाना है तो **वरिष्ठ जन नीलकंठ बने, युवा पीढ़ी अर्धनारीश्वर व बाघाम्बर रूप को याद करें ,वहीं बच्चे शिव शंभू स्वरूप का चिंतन करें। जातीय पर्व महेश नवमी पर कमजोर परिवारों को सशक्त और सुखी बनाने का उपक्रम करें।** यही मंगल कामना है।

सौ. गीता मूंदड़ा, इंदौर
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष
संस्थापक अध्यक्ष–महिला सेवा ट्रस्ट

शुभकामना संदेश

महेश नवमी के पावन पर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।जैसा कि हम सब जानते हैं कि महेश नवमी हमारा जातीय उत्पत्ति दिवस व सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक पर्व है।जो हमें हमारे समाजिक कर्तव्यों का बोध कराते हुए, समाजोत्थान व समाज में समरस होने की प्रेरणा प्रति वर्ष देता है।

महेश नवमी का पुण्य दिवस हमारे आत्मचिंतन व आत्म परिक्षण का दिवस भी है। हमें हमारे पूर्वजों द्वारा कठिन मेहनत व लगन से अर्जित किए गए मान सम्मान और गौरव को और अधिक बढ़कर,भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना होगा। उनमें अच्छे संस्कारों का सिंचन कर, उन्हें देश व समाज का एक जागरूक घटक बनाना होगा। भगवान महेश जनकल्याणकारी देव है, और हम उनके वंशज हैं। अतः हमें स्वार्थी नहीं परमार्थी बनना होगा। जिस तरह से कीचड़ में भी कमल अपने को स्वच्छ, सुन्दर और सौरभमय बनाए रखता है,उसी तरह आज के इस दूषित वातावरण में रहते हुए भी हमें परोपकार, धर्म, कर्म में सक्रिय रहना है। और मानवता व सामाजिक उत्थान के कार्यों को करते हुए, इस पर्व को आनंद व उत्साह के साथ धूमधाम से मनाना है।

जय महेश।

विमलाजी साबू, सूरत
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

05.06.23

युवाओं का विश्वास जीते

परिवर्तित होती परिवार व्यवस्था, उच्च शिक्षा का उच्च मापदंड, संयुक्त परिवार का विघटन, आपसी प्रेम सौहार्द संवाद का आंशिक पतन,, ये विडंबना है, आधुनिक समय के प्रभाव की, तो अब हम क्या कर सकते है,?

सीधा सीधा समझना है कि हमें भी युवाओं के साथ साथ आधुनिक सोच का बनना होगा, सिर्फ बातों से नही विचारों से और कार्य के क्रियान्वित करने से, ये सच है कि युवाओं जितनी द्रूतगति वाले सोच से हम उनको पकड़ नही सकते,, फिर तो हमे उन्हे ही अग्रगति मे रख कर उनके साथ चलकर उनको पीछे से संभालना होगा।

जब आप उनको समझने की, उनको जानने की, उनके रास्ते चलने की आदत बना लेंगे, और वे भी आपको, आप आधुनिक सोच के है ये मान लेंगे तभी आप उनको पुरातन सनातन संस्कार, संस्कृति, अध्यात्म आदि के वैज्ञानिक तथ्यों से, सत्यता के साथ, उनको अवगत कराके प्रमाणिक रूप से विश्वास भी करा पाएंगे। आज की पीढ़ी सत्यता और प्रमाणों पर कायम रहती है ना कि किससे–कहानियों पर। पहले हम खुद को बदलने का प्रयास करे, समाज और संगठनो मे उनकी उच्चकोटि की भागीदारी सुनिश्चित कर, परिवार की तरह उनके सोच को सम्मान के साथ सहयोग दे, समाज को विकास और उन्नति के पथ पर अग्रसर करे।

हमारे समाज के करीब 4 लाख युवा पूरे विश्व मे अपनी बुद्धिमत्ता का लोहा मनवा चुके है, आए उनको कैसे संगठन से जोड़ के उनका उपयोग ले। अपना सोच और मार्ग कैसे प्रशस्त करें, इस पर चिंतन मनन करे। आधुनिक दौर मे जिस तरह हमारी युवा पीढ़ी और परिवार, लगाम हीन जिंदगी जीने पर मजबूर है, इस दौड़ के आंधी में बेबस दिखावे के प्रतियोगिता को झेल रहे है, यदि हमारी शिक्षित युवा पीढ़ी को सुदृढ़ जमीन का एहसास कराना हो, तो यही उपाय से उन्हे जोड़े, उनकी मानसिकता को समझे, उनका विश्वास जीते फिर उन्हे माहेश्वरी बनने पर गर्व महसूस कराये।

मंथन मे जहर पहले निकलता है, महेश ने हमें विष पान करना सिखाया है,, फिर तो अमृत ही अमृत है।

महेश नवमी के इस पावन पर्व पर मेरी व मेरे परिवार की तरफ से शुभकामना एवं प्रणाम।

समाज उत्थान समिति द्वारा आयोजित मंथन के सार

1) परंपरा, परिवर्तन, प्रावधान, प्रयोजन, परिक्षण के द्वारा ही नये विकास का उदयन होगा, यानी Five P हमारा मध्यम है।
2) परंपरा,, आइये शुरुआत करते है परंपरा के नविनीकरण से बेटी बेटा एक समान,, दोनों ही है रास्ट्र का मान।
3) परिवर्तन–परिवर्तन को अपनाये,, बेटी को परनाये, बहु को पढ़ाये।
4) प्रावधान–सामंजस्य से नई पीढ़ी को नई सोच प्रदान करे, समय पर शादी और समय पर बच्चा, नही तो जिंदगी के सफर मे अपूर्ण रहेगी इच्छा।
5) प्रयोजन–आपसी तालमेल हो एक दूसरे का सहारा, बेटा चाहे बहु सब मिल साथ दे जो बने परिवार का सितारा।
6) परीक्षण–संभाले युवा पीढ़ी के संबंधों को, यही माता पिता की परीक्षण की घड़ी है, आरंभ से ही उनके मधुर संबंध का मध्यम बने। क्योंकि तलाक़ है सर्वनास, संस्कृति का उपहास। बेटा–बेटी दोनों को घरेलू कार्य मे शिक्षित कर दीक्षित करे। उच्चतम सोच को अपनाके संस्कार और संस्कृति अपनाने का मार्ग बताये, 6 वर्ष के उम्र से ही उन्हे पढाई के साथ साथ कला और खेलकूद मे भी पारंगत बनाये। समस्याओं का हल मानसिक शक्ति के बड़ने से अपने आप खतम होगा।

शोभा भगवान सादानी, कोलकाता
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

05.06.23

प्यारा सा धन्यवाद : राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा

आप सभी के आने से यह मंजुल मन हर्षाया
आप सभी की उपस्थिति ने ही
राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक को सफल बनाया
आपकी सराहना ने हमारा मान बढ़ाया।

कार्यालय मंत्री प्रीति जी तोषनीवाल मध्य उत्तर प्रदेश अध्यक्ष सीमा जी झंवर कानपुर महिला मंडल अध्यक्ष शालिनी करनानी एवं टीम तथा सभी ज्येष्ठ पदाधिकारियों, श्रेष्ठ बहनों के सानिध्य एवं सदप्रयासों ने इस बैठक को सफलतम बनाने का प्रयास किया। सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बहनों आदरणीय गीता दीदी ,शोभा जी, सुशीला दीदी,कल्पना जी का सटीक मार्गदर्शन मिला, मेरी टीम सभी केंद्रीय पदाधिकारी प्रिय ज्योति जी, किरण जी, ममता जी के साथ आंचलिक पदाधिकारी उपाध्यक्ष मंजू जी मानधना, उर्मिला जी कलंत्री अनसूया जी मालू एवं संयुक्त मंत्री बहन शिखा जी ,रेनू जी, निशा जी, अनीता जी ,मंजू जी हरकुट, कार्यालय मंत्री प्रीति जी तोषनीवाल का सुंदर सानिध्य मिला। सभी के बहुमूल्य सुझावों के साथ मेरे द्वारा दी गई सत्र की भावी कार्य योजना को भी एकजुटता से परिपक्वता प्रदान करने का आश्वासन मिला, इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूं। कुछ प्रमुख विषयो पर चर्चा के साथ निर्णय भी लिए गए और एक नई विधान समिति का गठन हुआ। शाम को भी राष्ट्रीय पदाधिकारी अभिनंदन समारोह उर्विजा में आप सभी का सम्मान करने का सुअवसर प्रदेश एवं मंडल को मिला। वरिष्ठ बहनों की शुभकामनाएं आशीर्वचन मिला। सुविचारों को सुनने का सौभाग्य मिला जिससे मुझे तथा उपस्थित समस्त कानपुर माहेश्वरी समाज एक नई ऊर्जा मिली। इस प्रकार यह मीटिंग उद्देश्यपूर्ण एवं सार्थक रही जिसके लिए आप सभी को हार्दिक बधाई एवं आत्मीय साधुवाद। हमारी निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा जी माहेश्वरी, पूर्व रा. अध्यक्ष लता दीदी, विमला दीदी, आदरणीय रतनी मां, उपा. मधु जी एवं गिरजा जी स्वास्थ्य एवं विशेष परिस्थितिवश उपस्थित ना हो सकी परंतु आपका शुभ संदेश एवं स्नेह भाव मिला इसके लिए दिल/ से प्यारा सा धन्यवाद। भविष्य में भी आप सभी का सहयोग यूं ही मिलता रहेगा इसी मंजुल आकांक्षा के साथ...

मंजु बांगड़

गीता जी मूंदड़ा को महेश गौरव सम्मान से सम्मानित

माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला द्वारा महेश जयंती पर हमारी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय गीता जी मूंदड़ा को ''महेश गौरव'' सम्मान से सम्मानित किया गया। इस शुभ अवसर पर अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन के सभी पदाधिकारी, कार्यसमिति व सभी सदस्य बहनों की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाए।

हमारे गौरव

ललिता मालपानी इंदौर नायिका सम्मान से सम्मानित

नईदुनिया, इंदौर नायिका सम्मान 2023 से सम्मानित हुई अखिल भारतीय सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष बहन ललिता जी मालपानी को बहुत-बहुत बधाईयां....

05.06.23

अपनी बात

दुनियादारी समझदारी

महेश नवमी – आओ बैठें और विचारें

महेश नवमी हमारा उत्पत्ति दिवस, महेश नवमी उत्सव की ये बढ़ती हुई श्रृंखलाएं गवाह हैं माहेश्वरी समाज की प्रगति की। उत्थान होता है हमारे विकास से। विकास संभव होता है समयानुसार दिशा और गति से।

इतिहास गवाह है कि हम माहेश्वरी आज इतनी उन्नत अवस्था में इसलिए हैं कि क्षत्रीय से वैश्य बनते ही हमारे पूर्वजों ने यह समझ लिया कि राजस्थान की बंजर जमीन हमारी आस्था का क्षेत्र तो बन सकती है, परंतु हमारी भूख नहीं मिटा सकती। अतः प्रयाण किया उन्होंने चहुं दिशाओं में। कहीं नौकरी तो कहीं छोटे–छोटे व्यवसाय से जड़ें जमाई। खुद जमने लगे तो भाई बंधुओं, गांवजनों को भी अपने साथ ले जाकर जमाने लगे। एक गांव से दूसरे गांव पसरने लगे और आज परिणाम स्वरूप भारत की प्रमुख व्यवसायी जाति के रूप में निरुपित हुए।

वक्त ने करवट बदली। आजादी की राजनीतिक लड़ाई के साथ–साथ हमारे महान नेताओं ने सामाजिक कुरीतियां, सती प्रथा, पर्दा प्रथा, बेमेल विवाह, बहु विवाह, विधवा विवाह, अछूतोत्धार, स्त्री शिक्षा पर कार्य प्रारंभ किया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के नेतृत्व में माहेश्वरी समाज ने इस दिसा में कार्य किये। आजादी के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। दहेज प्रथा, विधवा विवाह, स्त्री शिक्षा की दिशा में बहुत कार्य हुए। उसी का दूरगामी परिणाम है कि समस्त वैश्य समाज में हम सबसे अधिक उन्नत हैं, शिक्षा का प्रतिशत बहुत ज्यादा है। स्त्री शिक्षा में हमारे कदम सराहनीय हैं।

भूतकाल की विरासत संग भविष्य पर दृष्टि बनाते हुए वर्तमान को संभालना ही दुनियादारी है, यही समझदारी है। हमें चाहिए की हम क्षेत्र, जिला, अंचल, प्रदेश, जोन और अखिल भारतीय स्तर पर नियमित रूप से विचार करें कि हर स्तर पर हमारे सामने क्या समस्याएं हैं और मिल–जुलकर, सोच–विचार कर इनके यथार्थ हल निकालें, समन्वय के रास्ते ढूंढे।

हमारे समाज की सीमाएं बहुत विस्तृत हैं। पूरब–पश्चिम–उत्तर–दक्षिण हम फैले हैं। भौगोलिक और प्रादेशिक मान्यताएं अलग अलग हैं। शहरी, कस्बाई और ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी आबादी है वहां ये परिस्थितियां अलग–अलग हैं। हम अपनी सामाजिक बैठकों में इस पर विचार करें। चाहिए तो विषय के विशेषज्ञों को बुलाकर जानकारी लेवें और नई राह निर्मित करें वो जो बदलते दौर में हमारे समाज और समाजजन को उन्नत बनावे।

कुछ समस्याएं जो आज परिस्थिति जन्य हैं, अपनी तरफ से आपके समक्ष रख रही हूं। विचार कीजिए–

1. वैश्विक युग एवं तकनीकी युग में व्यवसायिक चुनौतियां।
2. गांवों की सीमा में विकास के अवसर।
3. शिक्षा के उचित मापदंड।
4. क्लास रूम एजुकेशन संग व्यवहारिक व्यवसाय कला।
5. नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों वाला ज्ञान।
6. स्त्री शिक्षा संग स्त्रियोचित ज्ञान एवं मूल्य।
7. टूटती हुई परिवार व्यवस्था–संयुक्त से एकल तक।
8. बच्चों की परवरिश का उचित तरीका।
9. पेयर प्रेशर का मनोविज्ञान।
10. वृद्धावस्था का अकेलापन।
11. वृद्धावस्था की आर्थिक सुरक्षा।
12. स्त्री स्वातंत्र्य के उचित मापदंड।
13. वैभव प्रदर्शन और व्यक्तिगत क्षमता।
14. विदेशी परम्परा की भौंडी नकल।
15. पति–पत्नी संबंधों का मूल्यांकन–आधुनिक परिप्रेक्ष में।

अपने यहां की समस्याओं के मद्देनजर सामाजिक मनन–चिंतन कर सुंदर एवं समाज ग्राह्य राह ढूंढने का प्रयत्न करें।

–सौ. कल्पना गगडानी
सह–संपादक, माहेश्वरी महिला

05.06.23

महेश नवमी माहेश्वरी उत्पत्ति दिवस

माहेश्वरी का प्रमुख पर्व ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष नवमी को मनाते है, माहेश्वरी समाज की उत्पत्ति शिव के वरदान से इसी दिन हुई।

एक खडगलसेन राजा थे।प्रजा और राजा धर्म के कार्यो मे संलग्न थे राजा के कोई संतान नहीं थी राजा ने पुत्र प्राप्ति के लिए कामेष्टि यज्ञ करवाया। ऋषियों ने पराक्रमी पुत्र होने का आशीर्वाद दिया, लेकिन साथ मे यह भी कहा बीस वर्ष तक उसे उत्तर दिशा में ना जाने दिया जाऐ। राजा के पुत्र हुआ पुत्र का नाम सुजान कंवर रखा रखा। सुजान कंवर वीर, तेजस्वी व समस्त विद्याओं मे शीघ्र निपूण हो गया।

एक दिन राजकुमार शिकार बहत्तर उमराव को लेकर खेलने वन में गए और अचानक उत्तर दिशा में जाने लगे वहां पर देखा सूर्य कुंड के पास ऋषि यज्ञ कर रहे हैं

वेद मंत्र ध्वनि से वातावरण गुंजित हो रहा है ये देख कर उमरावो को भेज कर यज्ञ में विध्न उत्पन्न कर दिया ये देख कर ऋषियों ने क्रोधित होकर श्राप दिया और राजकुमार और बहत्तर उमराव सभी पत्थरवत हो गए। राजा ने सुनते ही प्राण त्याग दिए और उनकी रानीया सती हो गई। राजकुमार सुजान की पत्नी चन्द्रावती सभी उमरावो की पत्नियों को लेकर ऋषियों के पास गई ऋषियों ने कहा हमारा श्राप विफल नहीं हो सकता पर भगवान महेश और

पार्वती की आराधना करो सभी ने सच्चे मन से आराधना की , भगवान महेश और मां पार्वती ने अखंड सौभाग्यवती व पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया। चन्द्रावती ने सारा वृत्तांत सुनाया और सबने मिलकर बहत्तर उमरावो का जीवन दान मांगा। भगवान महेश्वर ने सुजान कुंवर और बहत्तर उमराव को श्राप मुक्त कर जीवन दान दिया । सूर्य कुंड में स्नान करके उनके सारे शस्त्र गल गए, और ये स्थल लोहार्गल धाम कहलाया भगवान महेश्वर ने कहा आज से भगवान महेश के वंशज कहलाओगे, और माहेश्वरी जाति के नाम से जाने जाओगे।

लोहार्गल धाम से लौटकर खंडेला आए राजकुमार और बहत्तर उमराव भगवान महेश्वर के नाम पर माहेश्वरी कहलाए और खंडेला उनकी मातृभूमि मान्य हुई शस्त्र गलने के कारण सुजान कुंवर और बहत्तर उमराव ने क्षत्रिय धर्म को छोड़ कर कर वैश्य धर्म को अपनाया और इसी तरह हम सब माहेश्वरी कहलाए।

कृपाण त्याग कर कलम लीन्हा,
ये ढाल तराजू कुरत दीना

शशी डोंगरा कटक (उड़ीसा)

05.06.23

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों की

प्रथम बैठक ''उर्विजा'' कानपुर मे सम्पन्न

28 अप्रैल 2023 को अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के पदाधिकारियों की प्रथम बैठक ''उर्विजा ''कानपुर मे सम्पन्न।

''पर उपकार वचन मन काया'' की भावना के साथ मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल कानपुर के आतिथ्य में दिनांक 28 मार्च को राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष, केंद्रीय पदाधिकारी गण, एवं समस्त आंचलिक पदाधिकारीगणों के साथ बैठक बहुत ही सार्थकता के साथ संपन्न हुई। भगवान उमामहेश के पूजन एवं वंदना के साथ राष्ट्रीय अध्यक्षा द्वारा दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ हुआ।

कानपुर महिला मंडल द्वारा पुष्पगुच्छ प्रदान कर एवं पिन लगाकर सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। अध्यक्षा मंजु जी बांगड़ द्वारा सभी पदाधिकारियों को उपहार स्वरूप साड़ी भेंट की गई। महामंत्री ज्योति राठी द्वारा शाब्दिक स्वागत कर बैठक की शुरुआत की गई। पूर्व में ऑनलाइन आयोजित सभी बैठकों की कार्यवाही को सभी की सहमति प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही शुरू की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्षा द्वारा दसों समितियों की कार्य योजना को विस्तृत रूप से बताया गया, जिसे सभी पदाधिकारियों ने सराहा और अपनी सहमति प्रदान की। सभी समितियों हेतु आंचलिक सहप्रभारियों की सभी की सहमति से नियुक्ति की गई। अनेक सामाजिक विषयों पर चिंतन और मनन कर विभिन्न कार्यक्रमों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया गया।

ग्राम विकास योजना अंतर्गत स्थानीय जिला या प्रदेश द्वारा एक गांव को गोद लिया जाए। Smart गांव की पीपीटी बनाकर **''मेरा गांव मेरा देश''** के नाम से 5 श्रेष्ठ सिलेक्ट कर उसे प्रशासन को भेजा जाए।

बढ़ती हुई पारिवारिक समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए

साहित्य व नाट्य मंचन द्वारा विषयों पर अभिव्यक्ति कर जागृति लाए। बढ़ते हुए साइबर क्राइम को देखते हुए बहनों को सतर्कता प्रदान करने हेतु टीम बनाकर प्रशिक्षण देवें।

महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हुए कार्यक्रमों का आयोजन करें। साथ ही समाज में देहदान व नेत्रदान हेतु जागरूकता अभियान चलाएं।

विवाह समस्या को देखते हुए प्रत्येक जिला कम से कम 2 सामूहिक विवाह अवश्य करें या इसके लिए प्रेरित करें।

पूर्व अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा व वर्तमान कोषाध्यक्ष किरण जी लड्ढा द्वारा संस्था के अकाउंट संबंधी सुंदर जानकारी दी गई। संगठन के प्रत्येक इकाई का अपना बैंक अकाउंट होना जरूरी है, यह बात भी सभी को समझाई।

प्रादेशिक भ्रमण के दौरान कुछ बातों का विशेष ध्यान रखने हेतु कहां गया । भ्रमण में सभा, महिला एवं युवा तीनों इकाई साथ में रहे और साथ ही सदस्य संख्या भी सीमित होनी चाहिए। भ्रमण के दौरान भौगोलिक व्यवस्था को देखते हुए उस जगह की समस्याओं को जाने व प्रश्न उत्तर के माध्यम से उसका निराकरण करें। भ्रमण में स्मृति चिह्न न लें।

राष्ट्र के सभी ट्रस्ट एवं समस्त प्रशासनिक सुविधाओं की जानकारी समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे इसका ध्यान रखें।

दिनांक 8/9/10 अगस्त को नासिक में होने वाली प्रथम कार्यसमिति बैठक हेतु विचार विमर्श कर उसे मूर्त रूप दिया गया साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण कला हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया।

श्रीमती शैलाजी कलंत्री को महिला पत्रिका का अध्यक्ष घोषित किया गया।

संगठन की वैधानिक जानकारी प्रत्येक सदस्य को होना चाहिए, इस हेतु एक राष्ट्रीय प्रकल्प विधान समिति का गठन किया गया। जिसमें मार्गदर्शक के रुप में संगठन के सभी पूर्व अध्यक्ष, समिति के प्रमुख निवर्तमान अध्यक्ष आशाजी माहेश्वरी एवं समिति के प्रभारी श्रीमती मंगल जी मरदा वापी, सह प्रभारी उषा जी मोहंता दिल्ली, भारतीजी राठी विदर्भ एवं आभा जी बेली राजस्थान का चयन किया गया।

सभी राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा, शोभा जी सादानी, सुशीला जी काबरा, एवं कल्पना जी गगरानी के मार्गदर्शन में बैठक सुचारू रूप से संपन्न हुई। सभी आंचलिक पदाधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए।

रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा अति सुंदर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कानपुर शहर के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में कानपुर की बहनों द्वारा राममय सत्र के आरंभ को सुंदर रूप से रामायण का संक्षिप्त नाट्य मंचन कर सभी को भावविभोर किया।

सम्मान समारोह में सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार रखें। अंत में श्रीराम के जयघोष के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

मंजु बांगड़ रा. अध्यक्ष ❊ ज्योति राठी रा. महामंत्री

05.06.23

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा वित्तीय प्रबंधन–2023 कार्यशाला का आयोजन हुआ सम्पन्न

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु बांगड़ व राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती ज्योति राठी के कुशल नेतृत्व एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती गीता जी मूंदड़ा की प्रेरणा से राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष किरण लड्ढा के प्रयासों द्वारा प्रथम बार त्रयोदश सत्र के शुरुआत में अ भा मा महिला संगठन द्वारा 5 मई को वित्तीय प्रबंधन पर जूम एप के माध्यम से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। महेश वंदना के बाद सर्वप्रथम रा. कोषाध्यक्ष श्रीमती किरण जी लड्ढा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया तथा वित्तीय प्रबंधन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए आयोजन का उद्देश्य बताया।

संगठन की प्रत्येक इकाई की वित्त संबंधित संपूर्ण कार्यप्रणाली कुशलतापूर्वक हो, पारदर्शिता से हो, आपसी सांमजस्यता से हो up to date हो। इसी उद्देश्य हेतु सभी प्रदेशों की अध्यक्ष , मंत्री व कोषाध्यक्ष बहनों के साथ एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। वर्तमान समय में Online transaction की व्यापकता से बैंक अकाउंट का होना अत्यावश्यक हो गया है। यह कार्य सरलता से कैसे हो, तथा साथ ही क्या सावधानियां रखनी होती है ?

इन सभी विषयों की उचित जानकारी अपना अमूल्य समय देकर सूरत निवासी वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट श्री सुरेश जी काबरा ने बहुत ही सरल रूप से दी ।अकाउंट को व्यवस्थित रखने व अर्थ संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी श्री काबरा जी द्वारा बहनों को विस्तार से दी गई।

कार्यक्रम मे उपस्थित रा.अध्यक्ष श्रीमती मंजू जी बांगड़ ने अपनी काव्यात्मक पंक्तियों से सभी का अभिवादन किया और बधाई देते हुए बताया कि वित्तीय प्रबंधन संबंधित जानकारी बहनों का ज्ञान बढाएगी और संगठन की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी। जिस तरह परिवार की उन्नति के लिए सभी सदस्यों का परस्पर एक दूसरे के विचारों को सुनना और मान देना आवश्यक होता है वैसे ही संगठन मे भी आपसी सामंजस्य अति आवश्यक है। बैंक खाते खोलने मे अनेक नियम होने से कुछ बाधाएं आती है लेकिन आज आपको सारे समाधान भी मिलेंगे। सफलता पाने के लिए कठिनाइयों से गुजरना भी आना चाहिए। दृढ़ निश्चय, मेहनत और श्रद्धा से पद की गरिमा को बढाते हुए कार्य करना चाहिए। संगठन की सभी कोषाध्यक्ष बहने जागरूक रहें अपना दायित्व भली–भांति निभाए और पारदर्शिता रखते हुए संगठन के पूरे आय–व्यय का हिसाब लिखित में रखें।

रा. महामंत्री श्रीमती ज्योति जी राठी ने बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जो कदम अब तक नहीं उठाए गए वो इस सत्र मे होना चाहिए । कोषाध्यक्ष का पद संगठन का महत्वपूर्ण पद होता है । पारदर्शिता से काम होने पर पद की व संगठन की विश्वसनीयता बढ़ती है। किसी भी कार्यक्रम से पहले वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ उस कार्यक्रम का अनुमानित बजट बना लेना चाहिए, जिससे फालतू खर्चों से बचा जा सके। समाज के सहयोग को सही अर्थ मे लगाना चाहिए । अर्थ बिना सब व्यर्थ है । अर्थ का उपयोग सही अर्थ मे होना चाहिए। रा. संगठन मंत्री ममता जी मोदानी ने कार्यक्रम के उद्देश्य सफल होने की शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी। पूर्व रा. अध्यक्ष व इस आयोजन की प्रेरक और सहयोगी श्रीमती गीता जी मूंदड़ा ने कहा कि हम बहनें बजट बनाने और कोष संभालने मे कुदरती पारंगत होती है। बजट हमेशा बड़ा बनाएं , खर्च कम करे , हमेशा लाभ ही होगा।अर्थ सारे संगठन का आधार है। कार्यकर्ता की व संगठन की विश्वसनीयता इसी पर आधारित होती है।

इस तरह सभी के प्रेरक व मार्गदर्शक उद्बोधनों ने इस आयोजन को सफल बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदेश अध्यक्ष , मंत्री व कोषाध्यक्ष बहनों की अधिकतम उपस्थिति ने इस आयोजन की गरिमा को भव्य बना दिया। अंत मे किरण जी लड्ढा ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम का समापन किया ।

ज्योति राठी, रा. महामंत्री

05.06.23

महेश नवमी के अवसर पर अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन का राष्ट्रीय कार्यक्रम

शिवम् पंचामृत सफलतापूर्वक संपन्न

27 जून 2023 महेश नवमी के उपलक्ष में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा संस्कृतिसिद्धा अध्यात्म व परम्परा राष्ट्रीय समिति के माध्यम से एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम शिवम पंचामृत का आयोजन वर्चुअल सभागार में किया। राममय त्रयोदश सत्र का यह प्रथम वृहद राष्ट्रीय कार्यक्रम था। कार्यक्रम को सफलता प्रदान करने हेतु हमारे सभी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संरक्षक द्वारा सुन्दर शब्दों में शुभकामनाओं के संदेश के वीडियो भेजे। समिति प्रदर्शक निशा जी लड्ढा एवं समिति प्रभारी प्रेमा जी झंवर के प्रयासों ने इसे सुंदर रूप प्रदान किया।

समयबद्धता के साथ शाम 5 बजे भगवान शिव की आराधना और वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी द्वारा सचिवीय अभिवादन के साथ कार्यक्रम का संचालन किया। सभागार में अखिल भारत वर्षीय महासभा के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी अतिथि रूप मेंउपस्थित थे। सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, सभी पूर्व अध्यक्ष, सभी प्रादेशिक पदाधिकारी, संगठन की टॉप टू बॉटम सभी बहने ZOOM सभागार में उपस्थित थी। समय से पूर्व 1,000 से अधिक बहनों की उपस्थिति ZOOM कार्यक्रम के सफलता की घोतक है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजु जी बांगड़ द्वारा सुंदर शब्द सुमन से सभी का हार्दिक स्वागत किया । महेश नवमी की अग्रिम बधाई व शुभकामनाओं के साथ आपने सारगर्भित उदबोधन दिया। सत्यम शिवम सुंदरम के सुंदर उदाहरण के साथ आपने शिव के विभिन्न रूपों को दर्शाया। संचारसिद्धा तकनीकी टीम एवं संस्कृतिसिद्धा अध्यात्म व परम्परा की पूरी टीम की सराहना करते हुए सभी का अभिनंदन किया। रामायण पर आधारित दसों समितियों के logo का अनावरण किया। जिसकी सभी ने दिल खोलकर प्रशंसा की। दसों समिति के प्रभारियों ने अपने अथक प्रयासों से प्रभु श्रीराम का समावेश कर अपनी अपनी समिति के अनुरूप बहुत सुंदर लोगो बनाये । आपने 8, 9, 10, अगस्त 2023 को नासिक में होने वाले प्रथम राष्ट्रीय कार्यसमिति बैठक की सूचना देते हुए बताया की अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास व नेतृत्व प्रशिक्षण समिति द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन भी किया जायेगा। राष्ट्रीय महिला संगठन की website abmms.org की जानकारी दी । 21 जून योग दिवस के उपलक्ष में राष्ट्रीय स्तर पर संस्कार सिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति की टीम द्वारा गीता परिवार के सहयोग से 1000 विद्यालयों में विद्यार्थियों को योग सिखाने का वृहद लक्ष्य लिया गया है जिसके लिए समिति प्रभारी अंजलि जी तापड़िया एवं टीम को सफलता हेतु शुभकामनाएं दी।

हमारे अतिथि राष्ट्रीय युवा संगठन के अध्यक्ष भाई राजकुमार जी काल्या ने अपने उद्बोधन में नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए कहा की आने वाले 10 वर्षों में हमारे समाज में कोई भी जरूरतमंद परिवार ना रहे। हमें प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचना है और समाज को समृद्ध शाली बनाना है।

महासभा के संगठन मंत्री भाई अजय जी काबरा ने मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा समय से पूर्व इतनी बहनों का जुड़ना 1,000 से अधिक उपस्थिति कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि जो सास-ससुर अपने बहुओं को आगे बढ़ा रहे हैं पढ़ा रहे हैं ऐसे व्यक्तियों का हम सम्मान करें।

महासभा के महामंत्री श्री संदीप जी काबरा ने कहा संस्कार निर्माण का कार्य जो होना चाहिए वह विगत कई वर्षों से यह महिला संगठन कर रही है यह प्रशंसनीय है। तीनों संगठन मिलकर अपने पूर्व अध्यक्षों के मार्गदर्शन के तहत कार्य

योजना बनाकर हमें कार्य करना है। महेश नवमी को संकल्प दिवस के रूप में मनाये इन्हीं भावनाओं के साथ सभी को महेश नवमी की शुभकामनाएं दी।

महासभा के पूर्व सभापति श्रीमान रामपाल जी सोनी साहब ने महिला संगठन की प्रशंसा करते हुए कहा विगत सत्र में महिला संगठन ने अनेक रिकॉर्ड बनाए और महासभा के साथ सामंजस्य बनाकर कार्य किया। समय के बदलाव के साथ आने वाला वर्ष समाज व देश के लिए उन्नति मान रहे अतः नए संकल्प के साथ हम आगे बढ़े।

राष्ट्रीय महिला संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष आदरणीय आशा जी माहेश्वरी ने नवनिर्वाचित टीम को बधाई देते हुए इतने सुंदर आयोजन के लिए सभी की प्रशंसा की। तकनीकी टीम का सहयोग अत्यधिक सराहनीय है व समितियों के कार्य भी श्रेष्ठ है। यह त्रयोदश सत्र उपलब्धियों भरा हो इन्हीं शुभकामनाओं के साथ सभी को महेश नवमी की बधाई दी।

महासभा के सभापति श्रीमान श्याम जी सोनी साहब ने महेश नवमी की पूर्व संध्या पर इतनी बड़ी उपस्थिति के साथ कार्यक्रम का आयोजन अत्याधिक गर्व की बात है। आपदा को अवसर में यदि किसी ने बदला है तो वह महिला संगठन है। महिला संगठन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने उस सभी को बधाई दी।

सभी अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात संस्कृति सिद्धा समिति की प्रभारी श्रीमती प्रेमा जी झंवर ने शिव शिवम् पंचामृत कार्यक्रम की भूमिका सभी के समक्ष रखी। राष्ट्रीय संगठन का आभार माना कि उन्हें यह कार्यक्रम करने का अवसर प्रदान किया। तत्पश्चात संचालन समिति प्रदर्शक श्रीमती निशा जी लड्ढा द्वारा किया गया। उन्होंने शिव के प्रति समर्पित अपनी भावनाओं को दर्शाया। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में भवानी मंडी के कलाकारों द्वारा बहुत सुंदर शिव पार्वती पर आधारित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात शिव पंचामृत की आंचलिक प्रतियोगिता प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम पंचस्तुति कार्यक्रम हुआ, तत्पश्चात् पंचावतार और उसके बाद समुद्रमंथन – सभी विषय अलग – अलग और 27 प्रदेशों के प्रस्तुतकर्ता भी सम्पूर्ण राष्ट्र से भिन्न – भिन्न थे किन्तु कार्यक्रम में पूर्णतः एकरूपता व सामंजस्य दिखा। आँचलिक स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगिता के निर्णायक थे, श्रीमती मंगल जी मर्दा एवं अनुराधा जी जाजू थे दोनों ने अपना अमूल्य समय देकर इस कठिन कार्य को पूरा किया। समिति के पांचों सहप्रभारी शोभा जी लाखोटिया(पूर्वांचल), पुष्पा जी सोमानी (पश्चिमांचल), श्यामाजी तापड़िया(मध्यांचल), अंजू जी जाजू(उतरांचल), व सुलोचना जी बल्दुआ(दक्षिणांचल) द्वारा 12 ज्योतिर्लिंग की जानकारी देते हुए अति सुन्दर प्रस्तुतियां दीं ।

शिव के प्रत्येक स्वरूप का अलौकिक वर्णन, अंगीकृत किए गए अस्त्र–शस्त्र का वर्णन सभी अतुलनीय था। कार्यक्रम की सफलता में सभी आंचलिक पदाधिकारी व प्रदेश अध्यक्ष एवं मंत्री प्रदेश संयोजिका का विशेष योगदान रहा। महामंत्री ज्योति राठी ने सभी का आभार मानते हुए कहा हमारे सभी पूर्व अध्यक्ष आदरणीय गीताजी, लता जी, विमला जी, शोभा जी, सुशीला जी एवं कल्पनाजी आपकी उपस्थिति मात्र से हमारा मनोबल बढ़ जाता है। हमारे सभी अतिथियों का प्रेरणादायी उद्बोधन, शुभकामनाएं व अनुभवों का लाभ हमें मिला। विशेष रूप से आभार व्यक्त किया उन कलाकारों के प्रति जिन्होंने अल्प समय में इतना सुंदर कार्यक्रम दिया। श्रीमती अंजलि जी तापड़िया के सहयोग से एवं गुजरात प्रांत के युवा संगठन के सचिव भाई विशाल होलानी द्वारा हमें zoom का सहयोग मिला। उर्मिला जी कलंत्री एवं भाग्यश्री जी चांडक के साथ टेक्निकल टीम का पूरा सहयोग मिला। सभागार में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की गरिमामय उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया। विजेता प्रतियोगियों के पुरस्कार नासिक के बैठक में दिए जाने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार मानते हुए राष्ट्रगान के साथ सभा समाप्त हुई।

निर्णायक मंडल द्वारा धोषित पुरस्कारों की घोषणा निम्नलिखित है.....

पंच स्तुति–सांत्वना पुरस्कार प्रथम–गंगा–दक्षिणाचल, द्वितीय–सर्प –पश्चिमांचल, तृतीय पुरस्कार–त्रिशूल–उत्तरांचल, द्वितीय पुरस्कार–डमरू–मध्यांचल, प्रथम पुरस्कार–चंद्रमा–पूर्वांचल

पंच अवतार – नृत्य के माध्यम से सांत्वना पुरस्कार प्रथम– नटराज–पूर्वांचल, द्वितीय सदाशिव–दक्षिणाचल, तृतीय पुरस्कार–इसर गोर–मध्यांचल, द्वितीय पुरस्कार–महायोगी–उत्तरांचल, प्रथम पुरस्कार–अर्ध नारीश्वर–पश्चिमांचल

समुद्र मंथन –नृत्य नाटिका–सांत्वना पुरस्कार प्रथम–शंख–उत्तरांचल, द्वितीय–विष–पूर्वांचल, तृतीय–लक्ष्मी–दक्षिणांचल, द्वितीय पुरस्कार–अमृत–पश्चिमांचल, प्रथम पुरस्कार–कामधेनु –मध्यांचल

रिश्तों की महत्ता

जिंदगी को अपनी "गुलाब" बना दीजिये

रिश्तों को अपनी पलकों पर सजा दीजिये
गलतफहमी की रेत में अक्सर दब जाते हैं रिश्ते
झाड़कर इस रेत को हर चिलमन हटा दीजिये

जीवन का ताना बाना रिश्ते ही तो हैं, जिंदगी जीने का मकसद हमे रिश्ते ही तो देते है। आज जीवन में सहूलियतों के रूप में बहुत कुछ मिला है, किन्तु हाथ से रेत की तरह मानो लगातार कुछ फिसल रहा है, और वो हैं रिश्ते।

रिश्ता सजीव चीजों का हो अथवा निर्जीव का ,सभी महत्वपूर्ण होते हैं। बिना रिश्तों के जीवन की हम कल्पना भी नहीं कर सकते। दिया बाती बिन अधूरा तो सीप मोती बिन,बस आवश्यकता है तो इन्हें सहेज कर रख पाने की। आज वक्त की आपाधापी में हमने सब कुछ हासिल करते हुए भी कुछ पीछे छोड़ दिया है । एकल परिवार के चलन ने रिश्तों की गुणवत्ता को समाप्ति के कगार पर ला खड़ा कर दिया है।

चार दिन की उम्र मिली है ,और फासले जन्मों के
इतने कच्चे क्यों हो गए रिश्ते सब अपनो के

भौतिकतावादी संस्कृति ने रिश्तों की महत्ता को दोयम दर्जे का बना दिया है,स्वार्थवश आज हम भूल रहे हैं कि आर्थिक सुद्रढ़ता आवश्यक है किंतु सामाजिक बन्धनों एवम संबंधों को तिलांजलि दे कर नहीं। रिश्ते कुछ ऊपर से बने बनाये मिलते हैं व कुछ इंसान खुद बनाता है ,मगर हर रिश्ते को प्यार से सींचना आवश्यक हैं ,व्यवहार में मधुरता हो तो कोई भी रिश्ता आसानी से निभाया जा सकता है।

आज रिश्तों में भी कृत्रिमता दिखने लगी है जबकि वास्तविकता है कि अच्छे समय में हाथ मिलाने से नही वरन बुरे समय में हाथ पकड़ने से सही अर्थों में रिश्तों की गहराई नापी जा सकती है। आज हर जगह जीत हासिल करने की प्रथा सी चल पड़ी है, किन्तु रिश्तों को सदा सबसे जीतकर नहीं निभाया जा सकता, रिश्तों की खुशहाली के लिए कहीं झुकना भी पड़ता है और जानकर किसी को जिताने का अलग ही आनंद है। सच्चे रिश्ते ही वास्तविक पूंजी हैं। रिश्तों का अस्तित्व ही जिंदगी की सच्चाई है । जिंदगी के मौसम में पतझड़ तभी आता है जब हकीकत में रिश्ते सूखने लगते हैं। आज वक्त की पुकार यही है कि हम रिश्तों की रिमझिम बारिश में स्वयं को भिगोयें एवम इन्हें सिंचित कर समाज की बगिया को हरा भरा बनाएं ,और ये तभी सम्भव है जब हम आपस मे संवाद के लिए दरवाजा सदा खुला रखें ,और शब्दों से ज्यादा भावनाओं को स्थान दें।

बाहें फैलाये स्वागत कर रहा है रिश्तों का समंदर
बस बूंद को मोती में बदलने का सीखना है हुनर।

मंजू हरकुट, मेरठ
संयुक्त मंत्री, उत्तरांचल

आज, दुनिया का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां महिलाओं ने खुद को साबित नहीं किया हो, महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा हर क्षेत्र में मनवाया है एवं खुद को समाज में एक सशक्तिशाली शक्ति की तरह स्थापित किया है। आज पहले की तुलना में महिला आत्मनिर्भर एवं सक्षम हैं एवं पुरुषों की तरह राजनीति, आर्थिक, सामाजिक सभी क्षेत्रों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

05.06.23

घोष वाक्य : ''पर उपकार वचन मन काया''

त्रयोदश सत्र कार्य योजना

हमारी भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि जीवन उसी का सफल है जो मनसा वाचा कर्मणा से परोपकार में प्रवृत्त रहता है क्योंकि परोपकार में परमार्थ की भावना निहित है जो मानवता की सुरक्षा विकास और शांति का साधन है। वही समाज सुख, शांति और विकास के पथ पर आगे बढ़ सकता है जिसके सदस्यों में परस्पर सेवा, त्याग, सदाचार, प्रेम, सौहार्द और सहयोग का व्यवहार हो। ऐसी स्थिति में व्यक्ति में संकीर्ण स्वार्थपरता ''मैं'' का अस्तित्व नहीं रहता वरन एक संयुक्त भावना ''हम'' का उदय होता है जो संगठन समाज राष्ट्र के विकास की प्रगति का सोपान बनता है। इसी कल्याणकारी परंपरा से समृद्ध है त्रयोदश राममय सत्र का उद्घोष ''पर उपकार वचन मन काया'' जिस को सार्थक करने हेतु दसों समितियों के माध्यम से कार्य योजना बनाई है। प्रत्येक समिति में राष्ट्रीय स्तर पर समिति प्रदर्शक, एक राष्ट्रीय समिति प्रभारी, पांच आंचलिक सह प्रभारी, प्रदेश स्तर पर प्रदेश संयोजिका, जिला स्तर पर सह संयोजिका, स्थानीय में समिति सदस्य–इस प्रकार श्रृंखलाबद्ध संगठन का लाभ उठाते हुए अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन बाल किशोरी एवं महिलाओं के सर्वांगीण विकास, स्वावलंबन, सुसंकृत परिवार, समृद्ध समाज तथा राष्ट्रहित में कार्य करने को संकल्पबद्ध है जिसमें सभी का सहयोग व मार्गदर्शन सदैव अपेक्षित है।

अष्टसिद्धा

व्यक्तित्व विकास व नेतृत्व प्रशिक्षण समिति–श्रृंखलाबद्ध संगठन के तहत सुदृढ़ संगठन की कार्ययोजना जन जन तक पहुंचे, संगठन का विस्तार हो, व्यवस्थित संचालन हो–इस बात को दृष्टिगत रखते हुए सत्र के प्रारम्भ में ही राष्ट्र से लेकर स्थानीय स्तर तक नेतृत्व प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन जिसमें लीडरशिप, ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए कुशल नेतृत्व एवं टीम मैनेजमेंट पर कार्य करना। संगठन की जानकारी, विधान, कार्यप्रणाली, अनुशासित व्यवस्थित बैठकें कैसे हों प्रोटोकाल, समय प्रबंधन, रिपोर्टिंग, प्रभावी भाषण कला, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों, कार्यसमिति, कार्यकारी मंडल को उनके अधिकार व कर्त्तव्य आदि की जानकारी देकर गागर में सागर भरने का प्रयास करना। मैनेजमेंट गुरु हनुमानजी को आदर्श बनाकर ''व्यक्तित्व विकास से बढ़ाए आत्मविश्वास'' जैसे पर्सनैलिटी डेवलपमेंट कार्यशालाओं का आयोजन करना, जिसमें मोटिवेशनल वक्ताओं के वक्तव्यों द्वारा अनुशासन, सकारात्मक सोच, ऊर्जा का रचनात्मक प्रयोग, प्रबंधन कला आदि विषयों के माध्यम से संतुलित जीवन जीने के गुर सिखाए जाते हैं। अंत में प्रतियोगिता एवं स्टेज शो के माध्यम से वृहद आयोजन किया जाएगा ताकि कार्यकर्ता, प्रशिक्षक महिलाओं की क्षमता और योग्यता को संपूर्णता प्राप्त हो सके।

संस्कार सिद्धा

बाल एवं किशोरी विकास समिति – बच्चे ही समाज का आधार होते हैं। संस्कारों की सरिता का प्रवाह बाल्यकाल से ही होना चाहिए क्योंकि उनका वर्तमान सुदृढ़ होगा तभी भविष्य मजबूत बन पाएगा। संस्कारों का नई पीढ़ी को हस्तांतरण इस समिति का मुख्य उद्देश्य होगा। शारीरिक, मानसिक विकास हेतु आवश्यक विधाओं का प्रयोग करते हुए उहें विकसित करना, कलात्मक प्रतिभा निखार हेतु ऑनलाइन व ऑफ लाइन वर्कशाप का आयोजन, पढ़ाई के साथ–साथ खेलकूद के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु प्रत्येक स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करना। राष्ट्रीयता, देश प्रेम की भावना को प्रबल बनाने हेतु समय–समय पर देशभक्ति

05.06.23

से ओतप्रोत कार्यक्रम करना। रामायण, गीता के पठन-पाठन से सनातन संस्कृति, धर्म के प्रति संवर्धन एवं जीवन जीने की कला विषय पर व्याख्यान का आयोजन।

प्रतिभा निर्माण, चरित्र निर्माण, नैतिक शिक्षा, संस्कार व पारिवारिक मूल्यों को स्थापित करने हेतु बाल संस्कार एवं किशोरियों युवा, बेटियों के लिए किशोरी संस्कार शिविरों का आयोजन इस सत्र में प्राथमिकता रहेगी जिसे राष्ट्रीय स्तर पर वृहद रूप से किया जाएगा। बालिकाओं में सामाजिक रहन-सहन के मापदंडों की चर्चा करना, शारीरिक स्वास्थ्य की जागरुकता, गुड टच, बैड टच की जानकारी, आत्मरक्षा प्रशिक्षण व कैरियर गाइडेंस में विशेषज्ञों के माध्यम से उचित मार्गदर्शन देना, टॉक शो आयोजित करना। आज के डिजिटल युग में बच्चों में बढ़ते फोन के प्रयोग पर उचित मार्गदर्शन करना एवं अभिभावकों के लिए काउंसलिंग की सुविधा प्रदान करना समिति के उद्देश्य में निहित होगा। कन्या जन्मोत्सव पर बधाई प्रेषित करते हुए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के माध्यम से शिक्षा, स्वावलंबन प्रशासनिक सेवाओं के लिए प्रोत्साहन का भी प्रयास रहेगा।

स्वयं सिद्धा

महिला सशक्तिकरण समिति- नारी समाज की वह सशक्त धूरी है जिस पर संपूर्ण समाज का विकास टिका है। नारी सशक्त तो समाज सशक्त.... इसी भाव को ध्यान में रखते हुए इस समिति का गठन किया गया है जिसका उद्देश्य महिलाओं का सर्वांगीण विकास कर आत्मविश्वासी व आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करना है। आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए समाज की जरूरतमंद बहनों को स्वरोजगार करवाने हेतु सामाजिक ट्रस्टों, बैंकों से लोन लेने हेतु मार्गदर्शन देना, व्यवसाय स्थापित करने तथा बढ़ाने हेतु उचित जानकारी देना, शिक्षा व स्वावलंबन के प्रति प्रोत्साहित करना आदि। श्रृंखलाबद्ध संगठन में प्रत्येक स्तर पर वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर स्थापित करना, ट्रेड फेयर ट्रेनिंग, डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग, शोकेस जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा उचित मार्गदर्शन देना। महिलाओं को आर्थिक नीतियों संबंधित नॉलेज के लिए बैंकिंग वर्कशाप मार्केटिंग वर्कशाप का आयोजन करना। बीमा सुरक्षा बचत योजना के बारे में समझाना। घरेलू हिंसा इत्यादि विषयों से संबंधित कानूनी सलाह एवं सहायता प्रदान करना। महिलाओं के अधिकार उनके कर्त्तव्य, सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर काउंसलिंग देकर सशक्तिकरण के सही मायने स्थापित किए जाएंगे। कामकाजी युवतियों एवं महिलाओं को दूसरे शहर में कार्य करने पर उन्हें उचित आवास हेतु स्थानीय संगठन द्वारा सहयोग करवाया जाएगा। सोशल मीडिया के गलत प्रयोग, साइबर उत्पीड़न जैसे विषयों पर भी जागरुकता जानकारी प्रदान की जाएगी। राष्ट्रीय स्तर पर उद्योग मेले का आयोजन, माहेश्वरी महिला ई मार्केट का संयोजन कर व्यवसाय का प्रचार प्रसार करना जिससे बहनें बनेंगी स्वावलंबी तथा ''मैं हूँ स्वयंसिद्धा'' प्रतियोगिता का आयोजन कर बहनों में प्रतिभा तथा आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

ज्ञान सिद्धा

साहित्य समिति - साहित्य समाज का दर्पण होता है अतः यदि समाज का वास्तविक प्रतिबिंब देखना है तो भाषा और साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने की नितांत आवश्यकता है। समिति के माध्यम से विविध विधाओं द्वारा माहेश्वरी महिलाओं में भाषा और साहित्य के प्रति रुचि और जागरुकता बढ़ाई जाएगी। सामाजिक विषयों में कुरीतियों के बारे में बौद्धिक चेतना जागृत की जाएगी। शिक्षा, ज्ञान, विवेक की त्रिवेणी को आधार बनाकर लिखित एवं मौखिक अभिव्यक्ति द्वारा जनजागृति विकसित की जाएगी। शास्त्रों में निहित नीति और ज्ञान को विशेषज्ञों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने एवं सनातन पद्धति और समाज के बीच की दूरी को कम करना भी साहित्य समिति का एक उद्देश्य होगा। डिजिटल पठन और लेखन के लिए मार्गदर्शन दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर ''माहेश्वरी महिला लेखनी ब्लाग'' में प्रतिमाह ब्लाग सदस्यों द्वारा रचनाएं प्रकाशित की जाएंगी। ''हर सीट हॉट सीट सीजन 2'' का आयोजन कर मनोरंजन के माध्यम से साहित्य चेतना का विस्तार होगा। विभिन्न विषयों पर लेखन प्रतियोगिता का आयोजन तथा लेखन विधा पर आधारित कार्यशालाएं (राष्ट्रीय स्तर पर) ली जाएगी। ''काव्य प्रतियोगिता'' का भी मंचीय आयोजन होगा।

संस्कृति सिद्धा

अध्यात्म व परंपरा समिति - हमारी परम्पराओं का संवर्धन करते हुए अपनी सनातन संस्कृति एवं आध्यात्मिक

धरोहर का संरक्षण करना समिति का प्रमुख उद्देश्य होगा। संगठन की प्रत्येक श्रृंखला के तहत आध्यात्मिक अनुष्ठान, संत प्रवचन, राष्ट्रीय स्तर पर आध्यात्मिक शिविर, धार्मिक यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। भारतीय लोक संस्कृति, परम्परा, रीति–रिवाज के वास्तविक स्वरूप को वैज्ञानिक तथ्यों द्वारा समझाने के साथ पर्व एवं त्योहार पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, सामूहिक उद्यापन एवं सामूहिक उत्सवों को एकजुटता के साथ मनाने को प्रोत्साहित किया जाएगा। राजस्थान की रंगीली संस्कृति से प्रेरित विविध कार्यक्रमों का संयोजन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर मारवाड़ी गीत प्रतियोगिता का मंचीय कार्यक्रम होगा। सबकी जानकारी हेतु प्रत्येक माह के पर्व त्योहारों का डिजिटल कैलेंडर प्रसारित होगा। धार्मिक प्रश्नोत्तरी, चर्चा–परिचर्चा के द्वारा युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति, धर्म के मूल रूप से जोड़ने का कार्य विशेष रूप से किया जाएगा।

रघुकुल रीत सिद्धा

पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति– परिवार समाज की प्रमुख इकाई होती है अतः एक सुखी परिवार ही सुखी समाज का निर्माण कर सकता है जिसके लिए समिति द्वारा पारिवारिक संरचना के आदर्श स्वरूप के प्रति जागरूकता लाई जाएगी। संयुक्त परिवार की परंपरा को पुनर्स्थापित करने का प्रयास होगा। परिवार जनों के मध्य सामाजिक वैचारिक वित्तीय मतभेद, वैवाहिक संबंध विच्छेद की समस्या निवारण हेतु विशेषज्ञों के पैनल द्वारा काउंसलिंग की सुविधा का प्रयास किया जाएगा। संतान का विदेश गमन व प्रवास रोकने के लिए पारिवारिक व्यवसाय के प्रति रुचि उत्पन्न करने हेतु उचित मार्गदर्शन के साथ जो नई पीढ़ी अपने परिवार के व्यवसाय में जुड़ रही है उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। बड़े बुजुगों के लिए रिटायरमेंट प्लान वित्तीय सामाजिक हित में मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। पारिवारिक हित हेतु जारी की गई सरकारी योजनाओं की जानकारी देना एवं वसीयत संपत्ति संबंधी कानूनों की विशेषज्ञों द्वारा जानकारी उपलब्ध कराना। सनातन संस्कारों का निर्वाह करने हेतु परिवार में गर्भ संस्कार, नैतिक संस्कार आदि कार्यक्रमों का आयोजन। समय–समय पर कार्यकर्ता के परिवार का सम्मान बड़े बुजुर्गों का सम्मान कर परिवार की महत्ता का प्रतिपादन राष्ट्रीय स्तर पर मीटिंगो में संस्कार सुसंस्कृत परिवार, रिश्तों का महत्व, पारिवारिक समरसता विषयक कार्यक्रमों पर नाटक, टॉक शो, स्लाइड शो, चर्चा परिचर्चा, व्याख्यान के माध्यम से मार्गदर्शन करना।

संकल्प सिद्धा

ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति–– गांव के विकास और उत्थान से ही राष्ट्र का विकास संभव है। इसी भाव की परिपूर्णता समिति के माध्यम से की जाएगी। गांवो में पुनर्वास और पुनर्स्थापन हेतु सहयोग करना । श्रंखला बद्ध संगठन के अंतर्गत प्रदेश जिला स्तर पर एक ही गांव को गोद लेकर वहां सम्यक विकास करना। गांव के सभी सदस्यों को शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, नव तकनीकी प्रशिक्षण दिलवाना। वहां के लोगों विशेष रुप से माहेश्वरी परिवारों से संपर्क स्थापित करना । उन्हें सरकार व समाज द्वारा प्रदत्त सुविधाओं, जन कल्याणकारी योजनाओं तथा ट्रस्टों की जानकारी देकर लाभान्वित कराना, उनकी समस्या व जरूरतें सुनकर समाधान करवाना। माहेश्वरी समाज के बैनर के माध्यम से काम करके गांवों में माहेश्वरी समाज की पहचान बनाना। लघु कुटीर उद्योगों को सहायता प्रदान करते हुए ग्रामीण हस्तशिल्प को मुखरित कर शहरों से जोड़कर उनकी बिक्री द्वारा वित्तीय व्यवस्था में सहयोग देना। राष्ट्रोदय के अंतर्गत राष्ट्रीय समस्याओं के निवारण के साथ–साथ राष्ट्र के विकास हेतु सभी स्तर पर काम करना विशेष रूप से पंचतत्वों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। पंचतत्व वायु जल पृथ्वी अग्नि और आकाश से सृष्टि का विकास हुआ है। इन तत्वों को हम प्रक्रति या पर्यावरण भी कह सकते है। जिनके संरक्षण हेतु पर्यावरण बचाओ – प्रदूषण हटाओ, Waste Management Project, जल ईंधन ऊर्जा बचत आदि पर व्याख्यान करवाना, जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, सामाजिक एवं राष्ट्रीय पर्व पर वृक्षारोपण, गौ रक्षा संकल्प और नमामि गंगे परियोजना पर कार्यक्रम करना एवं जन जागरूकता लाना ।

संचारसिद्धा

तकनीकी ज्ञान समिति–रखे सबको अपडेट वर्तमान तकनीकी युग में शीघ्र काम होने के लिए स्वयं को अपडेट करना अति आवश्यक है। इस समिति के माध्यम से डिजिटल माहेश्वरी समाज का सपना पूर्ण होगा।

05.06.23

डिजिटल साक्षरता और प्रशिक्षण हेतु ऑनलाइन और ऑफलाइन कार्यशाला और कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन सभी अंचल प्रदेश जिला स्थानीय संगठन में होगा। जिसमें विभिन्न बुनियादी और उपयोगी एप्स का ज्ञान विशेष रूप से साइबर क्राइम व सुरक्षा के बारे में जानकारी देना। रिपोर्टिंग का फॉर्मेट प्रदेश, जिला स्थानीय संगठन में एक जैसा कर एक सूत्रता में बांधना। गूगल फॉर्म के जरिए टॉप टू बॉटम सदस्यों का डाटा एकत्रित करना। अधिक से अधिक सदस्यों को संगठन से जोड़ने के लिए –ABMMS app में अपनी डिटेल्स को अपडेट करना राष्ट्रीय महिला संगठन की वेबसाइट फेसबुक पेज और यूट्यूब चैनल की जानकारी व प्रचार प्रसार करना। राष्ट्रीय संगठन के प्रत्येक स्तर पर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन क्विज का आयोजन करना आदि।

युगल सिद्धा

गठबंधन समिति–अधिकाधिक माहेश्वरी घरों में शहनाई बजवाना (कम से कम 1000 घरों में), ऐप में नए सत्र के लिए आवश्यक परिवर्तन व नई टीम के लिए ऐप प्रशिक्षण शिविर, राष्ट्रीय स्तर पर अभिभावकों के लिए विशिष्ट युवक–युवतियों का Telegram ग्रुप, ऑन लाइन राष्ट्रीय परिचय सम्मेलन (फेसबुक या अन्य माध्यम से), ऑनलाइन प्रवासी (NRI) परिचय सम्मेलन (फेसबुक या अन्य माध्यम से), आंचलिक स्तर पर हर 6 माह में एक–एक अंचल से बायोडाटा पुस्तिका का सशुल्क प्रकाशन, प्रादेशिक स्तर पर बड़े सामाजिक कार्यक्रमों में बायोडाटा काउंटर लगाकर ऐप के जरिए मैच करके देना, प्रादेशिक स्तर पर Whatsapp बायोडाटा ग्रुप, युगल सिद्धा पहुंचे गाँव के द्वार – गाँव में रह रहे परिवारों में जागरूकता लाना कि वे रूढ़िवादी मानसिकता त्यागें और समय के साथ अपनी सोच बदलें और गाँव में आ रही बहुओं को आत्म विकास के अवसर दें, जिला स्तर पर जरूरतमंद परिवारों को विवाह के लिए सहयोग (राशि, सामान या अन्य तरीके से), विवाह योग्य युवक युवतियों का मार्गदर्शकों के सानिध्य में दो–तीन दिन का भ्रमण जिससे वे आपस में सम–मानसिकता समझ सकें, अनुभवी लोगों द्वारा टॉक शो, नाटिकाओं व वीडियो द्वारा समाज की ज्वलंत समस्याओं के समाधानों पर प्रकाश डालना ।

संजीवन सिद्धा

स्वास्थ्य समिति–सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया का भाव रखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत विशेष रूप से महिलाओं के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर कार्य करेंगे । प्राथमिक चिकित्सा याने फर्स्ट एड शिविर, फूड एंड न्यूट्रिशन, स्वस्थ शरीर हेतु क्या खाएं और क्यों खाएं, पवित्रा कार्यक्रम जिसमें मेंस्ट्रुअल हेल्थ के बारे में बताएंगे, मेनोपॉज के बाद शरीर व मन का कैसे रखें ध्यान । ध्यान से स्वास्थ्य, संगीत से स्वास्थ्य, नृत्य से स्वास्थ्य, ज्योतिष से स्वास्थ्य, स्वच्छता से स्वास्थ्य, योग से स्वास्थ्य, प्राणायाम से स्वास्थ्य आदि कार्यक्रम रखे जाएंगे। देश में मेडिकल बैंको की स्थापना, देश में सेनेटरी नैपकिन डिस्ट्रॉयर मशीन लगाना, विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा वार्ताएं, महिलाओं व बच्चों का हीमोग्लोबिन जांच, बी 12 आदि की जांच, कैंसर पर वार्ता, सही तरीके से हाथ धोने के लिए पोस्टर छपवा कर स्कूलों में लगाना, मेडिकल कैंप आर्ट ऑफ लिविंग कोर्स से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना, ब्रेस्टफीडिंग के फायदे व नुकसान, नेत्र दान, अंग दान के कार्यक्रम करवाना, रक्त दान शिविर लगवाना, मानसिक स्वास्थ्य हेतु सकारात्मक सोच जैसे विषयो पर वार्ता होगी। नेचुरोपैथी चिकित्सा को बढ़ावा देने हेतु 3 से 5 दिवसीय रिहायशी कोर्स रखने का प्रयास रहेगा। समय–समय पर हेल्थ टिप्स मैसेज वा शार्ट वीडियो द्वारा प्रेषित किए जाएंगे।

महिला संगठन के स्थायी प्रकल्प–

1. माहेश्वरी महिला पत्रिका जो कि संगठन का मुखपत्र है रंगीन कलेवर में द्विमासिक प्रकाशित होगा जिसके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर स्थानीय स्तर तक की सामाजिक गतिविधियों व कार्यक्रमों का प्रकाशन कर अन्य समाज जनों को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास होगा।

2. अखिल भारतीय महिला सेवा ट्रस्ट महिलाओं का महिलाओं के लिए महिलाओं द्वारा बनाया गया ट्रस्ट है जिसमें बालिकाओं महिलाओं को शिक्षा में स्वावलंबन हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है।

05.06.23

*****

त्रयोदश सत्र की दस समितियों के राष्ट्रीय प्रभारी, सह प्रभारी एवं समिति प्रदर्शक

अष्टसिद्धा : व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती मधु बाहेती

समिति प्रभारी
श्रीमती नम्रता बियानी
9111791755

पूर्वांचल	पश्चिमांचल	मध्यांचल	उत्तरांचल	दक्षिणांचल
श्रीमती अनुजा काबरा	श्रीमती ऋतु मूंदड़ा	श्रीमती माधुरी मोदी	श्रीमती उर्वशी साबू	श्रीमती शोभा भूतड़ा
(उड़ीसा प्रदेश)	(पूर्वी राजस्थान प्रदेश)	(विदर्भ प्रदेश)	(दिल्ली प्रदेश)	(कर्नाटक गोवा प्रदेश)
9437296167	98283 18426	98503 53196	9810648038	094498 34464

संस्कार सिद्धा : बाल एवं किशोरी विकास समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती अनुसूया मालू

समिति प्रभारी
श्रीमती अंजलि तापड़िया
9822877594

पूर्वांचल	पश्चिमांचल	मध्यांचल	उत्तरांचल	दक्षिणांचल
श्रीमती चंचल राठी	श्रीमती हंसा चितलांगिया	श्रीमती ज्योति बाहेती	श्रीमती सुमन जाजू	श्रीमती अनुराधा मालपानी
(आसाम प्रदेश)	(उ.राजस्थान प्रदेश)	(विदर्भ प्रदेश)	(हरियाणा पंजाब प्रदेश)	(महाराष्ट्र प्रदेश)
70860 46040	9460639131	094230 88950	9466682693	9850811251

स्वयंसिद्धा : महिला सशक्तिकरण समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती गिरिजा सारडा

समिति प्रभारी
श्रीमती निर्मला मल्ल
9831009541

पूर्वांचल	पश्चिमांचल	मध्यांचल	उत्तरांचल	दक्षिणांचल
श्रीमती पारुल साबू	श्रीमती कांचन राठी	श्रीमती मनीषा लड्ढा	श्रीमती राजश्री मोहता	श्रीमती स्वाति काबरा
(कोलकाता प्रदेश)	(पूर्वी राजस्थान प्रदेश)	(पूर्वी मध्य प्रदेश)	(दिल्ली प्रदेश)	(मुम्बई प्रदेश)
93308 90464	6350 164110	094256 06829	9910270380	098671 22621

ज्ञानसिद्धा : साहित्य समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती मंजु मानधना

समिति प्रभारी
श्रीमती अनुराधा जाजू
9014223999

पूर्वांचल	पश्चिमांचल	मध्यांचल	उत्तरांचल	दक्षिणांचल
श्रीमती सरोज मालपानी	श्रीमती मीनू झँवर	श्रीमती अर्चना लाहोटी	श्रीमती प्रभा जाजू	श्रीमती सरोज गट्टानी
(पश्चिम बंगाल प्रदेश)	(द.राजस्थान प्रदेश)	(पूर्वी मध्य प्रदेश)	(दिल्ली प्रदेश)	(महाराष्ट्र प्रदेश)
93320 42198	94612 64182	099935 67483	9910975400	9405120193

संस्कृति सिद्धा : अध्यात्म व परम्परा समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती निशा लड्ढा

समिति प्रभारी
श्रीमती प्रेमा झंवर
9150143045

पूर्वांचल	पश्चिमांचल	मध्यांचल	उत्तरांचल	दक्षिणांचल
श्रीमती शोभा लखोटिया	श्रीमती पुष्पा सोमानी	श्रीमती श्यामा तापड़िया	श्रीमती अंजू जाजू	श्रीमती सुलोचना बलदुवा
(कोलकाता प्रदेश)	(पूर्वी राजस्थान प्रदेश)	(गुजरात प्रदेश)	(मध्य उत्तर प्रदेश)	(मुंबई प्रदेश)
98304 32171	095299 69028	97232 20573	9555121450	9920151221

05.06.23

रघुकुल रीतसिद्धा : पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती शिखा भदादा

समिति प्रभारी
श्रीमती अर्चना काबरा
9314501322

पूर्वांचल
श्रीमती कृष्णा पेड़ीवाल
(पश्चिम बंगाल प्रदेश)
94348 83689

पश्चिमांचल
श्रीमती श्रद्धा गट्टानी
(द. राजस्थान प्रदेश)
93146 64412

मध्यांचल
श्रीमती रंजना पोरवाल
(पश्चिमी मध्य प्रदेश)
90090 67555

उत्तरांचल
श्रीमती मंजू सोमानी
(हरियाणा पंजाब प्रदेश)
8395962711

दक्षिणांचल
श्रीमती कमला तोषणीवाल
(कर्नाटक प्रदेश)
9449165051

संकल्पसिद्धा : ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती रेणु सारडा

समिति प्रभारी
श्रीमती भावना राठी
7987660748

पूर्वांचल
श्रीमती नीतू सोमानी
(नेपाल चैप्टर)
977 984-2730060

पश्चिमांचल
श्रीमती सुनीता रांदड
(मध्य राजस्थान प्रदेश)
93524 10355

मध्यांचल
श्रीमती श्रद्धा राठी
(छत्तीसगढ़ प्रदेश)
94242 03501

उत्तरांचल
श्रीमती मंजूषा राठी
(पश्चिमी उत्तर प्रदेश)
9897976688

दक्षिणांचल
श्रीमती प्रभा चांडक
(तमिलनाडु प्रदेश)
9037495823

संचारसिद्धा : तकनीकी ज्ञान समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती उर्मिला कलंत्री

समिति प्रभारी
श्रीमती भाग्यश्री चांडक
9320403040

पूर्वांचल
श्रीमती मनीषा सोमानी
(उड़ीसा प्रदेश)
93381 60230

पश्चिमांचल
श्रीमती विनीता डाड
(द,.राजस्थान प्रदेश)
99507 89089

मध्यांचल
श्रीमती सुशीला माहेश्वरी
(गुजरात प्रदेश)
94242 03501

उत्तरांचल
श्रीमती गरिमा गट्टानी
(पूर्वी उत्तर प्रदेश)
9838806829

दक्षिणांचल
श्रीमती सपना लाहोटी
(महाराष्ट्र प्रदेश)
9028866606

युगलसिद्धा : गठबंधन समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती अनीता जावंदिया

समिति प्रभारी
श्रीमती शर्मिला राठी
9312226107

पूर्वांचल
श्रीमती वर्षा मूंदड़ा
(कोलकता प्रदेश)
98748 53991

पश्चिमांचल
श्रीमती मधु मोदानी
(पू. राजस्थान प्रदेश)
9828402410

मध्यांचल
श्रीमती शांता मंत्री
(प.मध्य प्रदेश)
96691 57000

उत्तरांचल
श्रीमती करुणा अटल
(मध्य उत्तर प्रदेश)
8318517381

दक्षिणांचल
श्रीमती सरिता तापडिया
(तेलंगाना आंध्र प्रदेश)
4000010666

संजीवनसिद्धा : स्वास्थ्य समिति

समिति प्रदर्शक : श्रीमती मंजू हुरकट

समिति प्रभारी
श्रीमती कुंतल
तोषनीवाल
9413315196

पूर्वांचल
श्रीमती अर्चना तापडिया
(नेपाल चैप्टर)
977 980-7047497

पश्चिमांचल
श्रीमती रीना राठी
(प.राजस्थान प्रदेश)
9829047119

मध्यांचल
श्रीमती प्रतिभा नत्थानी
(छत्तीसगढ़ प्रदेश)
98931 99609

उत्तरांचल
श्रीमती सुजाता राठी
(मध्य उत्तर प्रदेश)
9838660206

दक्षिणांचल
श्रीमती डॉ. अल्पना लड्ढा
(महाराष्ट्र प्रदेश)
98925 17179

वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डॉ. रामकिशन सोमानी की चार काव्य कृतियों का लोकार्पण

इन्दौर के वरिष्ठ साहित्यकार, कवि, समाजसेवी डॉ. रामकिशन सोमानी के द्वारा रचित चार काव्य कृतियां ''समय सम्बन्ध'', ''ऋतुआ संती'', ''मन के मनके'' और ''आ घर लौट चलें'' का लोकार्पण समारोह वरिष्ठ कवि सत्यनारायण सत्तन के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस लोकार्पण समारोह में श्री सत्तनारायण सत्तन ने इन काव्य कृतियों की समीक्षा उपस्थित साहित्यिक व सामाजिक श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत कहते हु कहा कि –''सच की रुलाई को लेकर चलने वाली काली स्याही से लिखने वाले अक्षरों में शब्द ब्रह्म की स्थापना करते हुए भावनाओं से उन्हें प्राण प्रतिष्ठित करने का कर्म किया है रामकिशन सोमानी ने।'' कलमकार को परिभाषित करते हुए सत्तनजी ने कहा कि पेन में लगी नींव से बहकर स्याही कोरे कागज पर अक्षर बनकर अमर हो जाती है फिर उस स्याही का कलम से मिलन नहीं होता है। यही कलमकार की ऊर्जाओं का स्रोत है।

ईश्वर द्वारा प्रदत्त सुख पर हम उनका उपभोग करके उसका धन्यवाद देना भूल जाते हैं। मनुष्य को कष्ट प्राप्त होते हैं तो ईश्वर को कोसना शुरू कर देता है। ये रोना–धोना सामान्य मनुष्य करता है, लेकिन जो साहित्यकार होता है, जो रचनाकार होता है, वह ईश्वर को इन कष्टों के

लिए धन्यवाद देता है। कवि डॉ. रामकिशन सोमानी के भीतर एक साहसी, जीवट और जिजीविषा वाला रचनाकार बैठा है यह उनकी आपातकाल वाली रचना से व्यक्त भी होता है। साहित्यकार डॉ. योगेन्द्रनाथ शुक्ला ने काव्य कृतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि बिना कालकूट पिए और बिना संघर्ष किए कोई कवि नहीं बन सकता। आज के अधिकांश कवि 'कंफर्ट झोन' में रह रहे, इसलिए उनके लेखन में गहराई नहीं आ पाती। पुरानी पीढ़ी के कवि डॉ. रामकिशन सोमानी के जीवन से उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए।

डॉ. सोमानी के द्वारा रचित कविताएं भारतीय साहित्य जगत के सूर्यकान्त त्रिपाठी ''निराला'', सुमित्रानंदन पंत आदि के समकक्ष ही नहीं, बल्कि 90 वर्ष की आयु में इन साहित्यक गतिविधियों में संलग्न रहने व साहित्य सेवा करने के जज्बे को नमन करते हु बहुत बहुत बधाई।

वियांशी बाहेती ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

बहुत ही गर्व की बात है कि प्रकाश–अरुणा बाहेती की पौत्री वियांशी बाहेती ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है और वर्ल्ड बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स लंदन एवम् दिल्ली बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स इंडिया में अकेले श्री हनुमान चालीसा का पाठ कर विश्व में सबसे कम आयु 3 साल 3 महीने और 25 दिन के छोटे बच्चे के रूप में अपना नाम दर्ज किया है। वियांशी के माता पिता अमित दीपाली को उनके इस परिश्रम के लिये हार्दिक बधाई और विशेष धन्यवाद वियांशी की रचना दादी, अभिषेक बाबा और आन्या दीदी को जिन्होंने उसे ये कीर्तिमान हासिल करने में सहयोग किया। समस्त बाहेती परिवार को बधाई।

05.06.23

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण करें एवं जानें

पेड़ों का मानव जीवन में महत्व

स्कंद पुराण में एक सुंदर श्लोक है

अश्वत्थमेकम पिचुमन्दमेकम
न्यग्रोधमेकम दश चिञ्चिणीकान।
कपित्थबिल्वाऽऽमलकत्रयञ्च
पञ्चाऽऽम्रमुप्त्वा नरकन्न पश्येत।।

अश्वत्थः	पीपल (100% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
पिचुमन्दः	नीम (80% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
न्यग्रोधः	वटवृक्ष (80% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
चिञ्चिणी	इमली (80% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
कपित्थः	कविट (80% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
बिल्वः	बेल (85% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
आमलकः	आवला (74% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
आम्रः	आम (70% कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है)
उप्ति	पौधा लगाना

अर्थात् – जो कोई इन वृक्षों के पौधो का रोपण करेगा, उनकी देखभाल करेगा उसे नरक के दर्शन नही करना पड़ेंगे।

इस सीख का अनुसरण न करने के कारण हमें आज इस परिस्थिति के स्वरूप में नरक के दर्शन हो रहे हैं।

अभी भी कुछ बिगड़ा नही है, हम अभी भी अपनी गलती सुधार सकते हैं। जानें पेड़ों के फायदे व नुकसान–

गुलमोहर , निलगिरी – जैसे वृक्ष अपने देश के पर्यावरण के लिए घातक हैं।

पश्चिमी देशों का अंधानुकरण कर हम ने अपना बड़ा नुकसान कर लिया है।

पीपल, बड और नीम जैसे वृक्ष रोपना बंद होने से सूखे की समस्या बढ़ रही है।

ये सारे वृक्ष वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाते है। साथ ही, धरती के तापनाम को भी कम करते है।

हमने इन वृक्षों के पूजने की परंपरा को अन्धविश्वास मानकर फटाफट संस्कृति के चक्कर में इन वृक्षो से दूरी बनाकर यूकेलिप्टस (नीलगिरी) के वृक्ष सड़क के दोनों ओर लगाने की शुरूआत की। यूकेलिप्टस झट से बढ़ते है लेकिन ये वृक्ष दलदली जमीन को सुखाने के लिए लगाए जाते हैं। इन वृक्षों से धरती का जलस्तर घट जाता है। विगत 40 वर्षों में नीलगिरी के वृक्षों को बहुतायात में लगा कर पर्यावरण की हानि की गई है।

शास्त्रों में पीपल को वृक्षों का राजा कहा गया है।

मूले ब्रह्मा त्वचा विष्णु शाखा शंकरमेवच।
पत्रे पत्रे सर्वदेवायाम वृक्ष राज्ञो नमोस्तुते।।

भावार्थ –जिस वृक्ष की जड़ में ब्रह्मा जी तने पर श्री हरि विष्णु जी एवं शाखाओं पर देव आदि देव महादेव भगवान शंकर जी का निवास है और उस वृक्ष के पत्ते पत्ते पर सभी देवताओं का वास है ऐसे वृक्षों के राजा पीपल को नमस्कार है।

आगामी वर्षों में प्रत्येक 500 मीटर के अंतर पर यदि एक एक पीपल, बड़ , नीम आदि का वृक्षारोपण किया जाएगा, तभी अपना भारत देश प्रदूषणमुक्त होगा।

घरों में तुलसी के पौधे लगाना होंगे।

हम अपने भविष्य में भरपूर मात्रा में नैसर्गिक ऑक्सीजन मिले इसके लिए आज से ही अभियान आरंभ करने की आवश्यकता है।

आइए हम पीपल , बड़ , बेल , नीम , आंवला एवं आम आदि वृक्षों को लगाकर आने वाली पीढ़ी को निरोगी एवं सुजलां सुफलां पर्यावरण देने का प्रयत्न करें।

05.06.23

अखिल भारतवर्षीय
माहेश्वरी समाज के उत्पत्ति दिवस
महेश नवमी की हार्दिक

मंजू बांगड़
राष्ट्रीय अध्यक्ष

ज्योति राठी
राष्ट्रीय महामंत्री

पूर्वांचल

गिरिजा सारड़ा
उपाध्यक्ष

निशा लड्ढा
संयुक्त मंत्री

पश्चिमांचल

मधु बाहेती
उपाध्यक्ष

शिखा भदादा
संयुक्त मंत्री

मध्या

उर्मिला कलंत्री
उपाध्यक्ष

प्रीति तोषनीवाल
कार्यालय मंत्री

कल्पना गगडानी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुशीला काबरा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

शोभा सादानी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

माहेश्वरी महिला संगठन

शुभकामना

किरण लड्ढा
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

ममता मोदानी
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

आशा माहेश्वरी
निवृत्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष

चंल

अनिता जावदिया
संयुक्त मंत्री

उत्तरांचल

मंजू मन्धना
उपाध्यक्ष

मंजू हुरकट
संयुक्त मंत्री

दक्षिणांचल

अनुसूइया मालू
उपाध्यक्ष

रेनू सारड़ा
संयुक्त मंत्री

विमलादेवी साबू
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

गीता मूंदड़ा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

लता लाहोटी
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

मनोरमा लड्ढा
पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष

माँ रत्नीदेवी काबरा
संरक्षक

ध्यान रखें-जिंदगी बचाने के अचूक तरीके :

(1.) गले में कुछ फँस जाए- तब केवल अपनी भुजाओं को ऊपर उठाएं

एक बच्चे की 56 वर्षीय दादी घर पर टेलीविज़न देखते हुए फल खा रही थी। जब वो अपना सर हिला रही थी तब अचानक एक फल का टुकड़ा उसके गले में फँस गया। उसने अपने सीने को बहुत दबाया पर कुछ भी फायदा नहीं हुआ। जब बच्चे ने दादी को परेशान देखा तो उसने पूछा कि दादी माँ क्या आपके गले में कुछ फँस गया है? वो कुछ भी उत्तर नहीं दे पाई।

मुझे लगता है कि आपके गले में कुछ फँस गया है। अपने हाथ ऊपर करो, हाथ ऊपर करो।

दादी माँ ने तुरंत अपने हाथ ऊपर कर दिए और वो जल्द ही फँसे हुए फल के टुकड़े को गले से बाहर थूकने में कामयाब हो गई।

उसके पोते ने बताया कि ये बात उसने अपने विद्यालय में सीखी है।

(2.) सुबह उठते वक्त होने वाले शरीर के दर्द

क्या आपको सुबह उठते वक्त शरीर में दर्द होता है? क्या आपको सुबह उठते वक्त गर्दन में दर्द और अकड़न महसूस होती है? यदि आपको ये सब होता है तो आप क्या करें?

तब आप अपने पांव ऊपर उठाएं। अपने पांव के अंगूठे को बाहर की तरफ खेंचे और धीरे धीरे उसकी मालिश करें और घड़ी की दिशा में एवं घड़ी की विपरीत दिशा में घुमाए।

(3.) पांव में आने वाले बॉयटा या ऐठन

यदि आपके बाएँ पांव में बॉयटा आया है तो अपने दाएँ हाथ को जितना ऊपर उठा सकते हैं उठायें। यदि ये बॉयटा आपके दाएँ पांव में आया है तो आप अपने बाएँ हाथ को जितना ऊपर ले जा सकते हैं ले जायें। इससे आपको तुरंत आराम आएगा।

(4.) पांव का सुन्न होना

यदि आपका बायां पांव सुन्न होता है तो अपने दाएं हाथ को जोर से बाहर की ओर झुलायें या झटके दें। यदि आपका दायां पांव सुन्न है तो अपने बाऐं हाथ को जोर से बाहर की ओर झुलायें या झटका दें।

(5.) आधे शरीर में लकवा

एक सिलाई की सुई लेकर तुरन्त ही कानों की लोलिका के सबसे नीचे वाले भाग में सुई चुभा कर एक एक बूंद खून निकालें। इससे रोगी को तुरंत आराम आ जायेगा। उस पर से सब पक्षाघात के लक्षण भी मिट जायेंगे।

(6.) हृदय आघात की वजह से हृदय का रुकना

ऐसे व्यक्ति के पांव से जुराबें उतार कर (यदि पहनी है तो) सुई से उसकी दसों पांव की उंगलियों में सुई चुभो कर एक एक बूंद रक्त की निकालें। इससे रोगी तुरन्त उठ जाएगा।

(7.) यदि रोगी को सांस लेने में तकलीफ हो

चाहे ये दमा से हो या ध्वनि तंत्र की सूजन की वजह या और कोई कारण हो, जब तक कि रोगी का चेहरा सांस न ले पाने की वजह से लाल हो उसके नासिका के अग्रभाग पर सुई से छिद्र कर दो बून्द काला रक्त निकाल दें।

उपरोक्त सभी तरीकों से कोई खतरा नहीं है और ये केवल 10 सेकेंड में ही किये जा सकते हैं।₹9₹9=ज

आप सभी से निवेदन है, कि इस मैसेज को सुरक्षित (डर्रीश) करके रखलें...

आपातकाल (Emergency) मे काम आयेगा। किसी की जान बचा सकते हो।

05.06.23

ओह!!

मेरी उम्र पर सवाल खड़े ना करो
मुझे तो बड़ा होना ही था
जैसे सब होते हैं
टोकती हूँ
रोकती हूँ
वक्त बेवक्त हिदायतें बहुत देती हूँ
यही तो मेरे बड़े होने के सुबूत हैं
क्या हुआ जो मैं साठवे बसंत के बहुत क़रीबहूँ
बहुत समय लगा है
इस देहरी तक पहुँचने में
तभी तो बेबस हूँ और कह रही हूँ
मेरी उम्र पर सवाल खड़े ना करो
मैं पूरी तरह से बदलती दुनिया को
बहुत क़रीब से देखा है
बड़े बड़े बदलाव मुझे छूकर निकल गए
जीने के
नवीन निराले अंदाज़ों को
कितने निकट से मैंने महसूस किया है
और तब भी ना कहूँ
मेरी उम्र पर सवाल खड़े ना करो
कल के पिता और आज के पिता के
अंतर को देखा है
कल के पति और आज के पति
दोनों में भारी अंतर मेरे समक्ष है
वो पुत्र और ये पुत्र..कितना बड़ा फ़र्क़
आदमी का हर रूप
मैंने जैसे पढ़कर जाना है
ये दौर ही ऐसे देखा है
जिसमें सब कुछ नायाब
विविधताओं से भरा
एक बेहद विस्तृत पीढ़ी अंतराल
अपने इर्द गिर्द ही पाया है
अनुभवों की खान हो गई हूँ
किससे कहानियों का भंडार हो गई हूँ
जहां इतिहास का बन ना बिगड़ना
मेरे चक्षुओं के सामने से हर दिन निकल रहा है
बस ऐसे ही एक किताब हो गई हूँ
तभी तो बार बार दोहरा रही हूँ
मेरी उम्र पर सवाल ना खड़े करो

कविता दीवान (मथुरा)

माँ है-आदर्श मेरा

वो कैहते है माँ दोस्त होती है,
तुम दोस्त नहीं आदर्श हो मेरा,
जीवन का पहला स्पर्श हो मेरा,
ना केवल अपने पिता का अभीमान हो तुम,
मेरे पिता का भी सम्मान हो तुम !
वे कहते हैं, मैं तुम जैसी नहीं,
अलग हूँ, पर वैसी नहीं,
कैसे तुम जैसी, बन जाऊँ,
तुम्हारे जैसी, हिम्मत पाऊँ,
रोज़ बस प्रयास, करती जाऊ!
तुम जल हो जो, कभी रुकती नहीं,
पहाड़ों के सामने भी, झुकती नहीं,
तुम्हारी ही धारा की छोटी सी सरिता हूँ मैं,
तुम्हारे पुस्तकालय की, बस एक कविता हूँ मैं!
मेरे हाथों की बनी कड़वी चाय भी पी जाती थी,
कच्ची जली रोटी भी, चटकारे भर कर खाती थी,
उस घर घर के खेल में, जब ख़ुद को माँ मैं बनाती थी,
मैं सियानी और तुम नादान बन जाती थी !
तुमसे खूब झगड़ कर तो, मनवा लेती थी सब बाते,
अब कैसे मिलेगी जीवन में, तुम जैसी सौग़ाते,
कहती थी मेरे होंठों के स्पर्श, सम्पूर्ण तुम्हें कर देते है,
माँ वो निवाले ही, मेरे जीवन मे सुकून भर देते है!
तुम्हारी साड़ी पहन पहन कर बड़ी होगई,
तुम्हारे संग की जीवन कि माला, अब पूरी पिरो गई ,
तुम्हारे कदमों के चिन्ह पर तो ना चल पाउगी,
पर एक दिन तुम्हारे जैसे अपनी
माँ का भी नाम आगे बढ़ाऊँगी।

– राधिका, कोलकाता

05.06.23

समाज के गौरव–होनहार युवा पीढ़ी

वेदिका बिहाणी बनी सिविल सेविका

पूरे भारत मे हासिल किया 213वां स्थान। वेदिका बिहाणी सुपुत्री श्री मधुसूदन–नीता बिहाणी ने अखिल भारतीय सिविल सेवा परीक्षा में 213वां स्थान हासिल करके इलाके व बिहाणी परिवार का नाम गौरवान्वित किया। बिहाणी शिक्षा न्यास श्री गंगानगर अध्यक्ष श्री जयदीप बिहाणी व ट्रस्टी श्री शरद बिहाणी की भतीजी वेदिका ने वर्ष 2022 में आयोजित इस परीक्षा के तीनों चरणों को उत्तीर्ण कर यह उपलब्धि हासिल की है।

डॉ. निधि माहेश्वरी

जयपुर के जाये–जन्मे , रुड़की की खखढ के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रोफेसर डॉ. बालकृष्ण जी माहेश्वरी (आगीवाल) और डॉ. नीता जी की सुयोग्य और बुद्धिमान सुपुत्री सुश्री डॉ. निधि माहेश्वरी ने जयपुर के SMS Medical College से MBBS की, पर विशिष्टता यह रही कि 4 विषय में सर्वोच्च अंक तथा अपने बैच में लगातार दो वर्षों तक सर्वोच्च अंक लेकर एक साथ 6 स्वर्ण पदक पाने का कीर्तिमान स्थापित कर दिया ।

ईशित्वा : तुम पर समाज को गर्व है

नए–नए , ऊँचे–ऊँचे आयाम , क्षितिज (अंतरिक्ष) को छूने का ज़ज्बा , राष्ट्र–भावना से ओतप्रोत सुश्री ईशित्वा माहेश्वरी (चौधरी काबरा), जोधपुर (सुपौत्री : श्री बालमुकुन्दजी), सुपुत्री : श्री शरदजी श्रीमती रानूजी ने तो ऐसी उड़ान भरी कि सम्पूर्ण समाज गौरवान्वित हो गया । इस होनहार बालिका ने National Defence -cademy की समस्त परीक्षाओं को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर मैरिट में 64 वां स्थान प्राप्त कर Indian -irforce भारतीय वायुसेना के लिए चुन ली गई है । सम्भवतः ईशित्वा माहेश्वरी समाज की प्रथम लड़की है , जिसने ऐसी उड़ान भरी है ।

शुभांगी लखोटिया

सरदार शहर के मूल निवासी हनुमानमल जी की सुपौत्री , श्री प्रकाश–श्रीमती सीमाकी सुयोग्य पुत्री बरेली (उप्र) वासी सुश्री शुभांगी लखोटिया ने CBSE 2023 की 12 वीं की परीक्षा में 95.2% अंक प्राप्त कर अपने भविष्य की मजबूत नींव रख दी है ।

त्रिशा बिहानी

स्वर्गीय रमेश बाबू की सुपौत्री , श्री राकेश–श्रीमती निशा की सुयोग्य पुत्री मालदा (प. बंगाल)वासी सुश्री त्रिशा बिहानी ने ICSC 2023 की 10 वीं की परीक्षा में सम्पूर्ण भारत में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने भविष्य की मजबूत नींव रख दी है ।

निश्का बाहेती

गुवाहाटी निवासी सुश्री निश्का बाहेती (सुपुत्री श्री शैलेश जी– श्रीमती शीतल जी बाहेती ने Indian School Certificate (ISC) की 12 वीं की परीक्षा में 99.25% प्राप्त करके पूरे भारत वर्ष में 3rd position लेकर अपने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है ।

माहेश्वरी समाज के असली मोती!

UPSC में सफल माहेश्वरी छात्रों ने समाज का नाम रोशन किया।

रैंक		नाम
2	–	गरिमा लोहिया
49	–	संस्कृति सोमानी
213	–	वेदिका बिहानी
373	–	अमितेश राठी
511	–	पूजा मालानी
623	–	प्रतिभा लोहिया
754	–	आयुषी सोनी
912	–	भूषण सोनी

सभी सफलता प्राप्त छात्रो का हार्दिक अभिनंदन! बधाईयां!

05.06.23

कृपया ध्यान दें

कानपुर में आयोजित त्रयोदश सत्र हेतु राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक के विशेष अंश

निम्न बातों का सभी को पालन करना अनिवार्य है

- व्हाट्सएप ग्रुप में संगठन की सभी सदस्य डीपी में अपनी स्वयं की फोटो नाम के साथ लगाए ना की कोई अन्य।
- बधाई संदेश केवल राष्ट्रीय स्तर पर बनाए गए जानकी मंगलम व्हाट्सएप ग्रुप में देवें अथवा व्यक्तिगत देवे।
- रिपोर्टिंग केवल मारुति रिपोर्टिंग ग्रुप में बताए गए नियमों के अनुरूप ही करे।
- भ्रमण के दौरान कोई भी स्मृति चिन्ह ना लेवे।
- अगर प्रदेश से विशेष प्रोग्राम के फ्लायर्स आते हैं तो उसमें आपके प्रदेश में यदि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष है या वर्तमान राष्ट्रीय पदाधिकारी है या राष्ट्रीय समिति प्रभारी है तो उनके नाम उस फ्लायर में आने चाहिए।
- संगठन की डायरेक्टरी के लास्ट पेज में जिला अध्यक्ष एवं जिला सचिव के नाम की लिस्ट होनी चाहिए।
- एन आर आई जो हम से जुड़े हैं उनके नाम व नंबर भी डायरेक्टरी में होना चाहिए।
- प्रदेश में राष्ट्रीय महिला पत्रिका माहेश्वरी महिला का कार्य कार्यसमिति सदस्य देखें।
- कोई भी राष्ट्रीय कार्यक्रम या राष्ट्रीय सूचना पहले राष्ट्र से निकलेगी उसके बाद ही आंचलिक पदाधिकारी निकाले।
- संगठन की सभी इकाई अपनी बैठक अपनी मीटिंग नियमानुसार करें, पदाधिकारी परस्पर चर्चा करके निर्णय लें एवं अनुशासनात्मक तरीके से कार्य करें।
- कोई भी प्रदेश कार्यालय मंत्री की post नहीं बनाएगा यह सिर्फ और सिर्फ राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए ही है।
- नेपाल चैप्टर सहित 27 प्रदेशों मे सचिव या प्रदेश मंत्री की post कहलाएगी कोई भी महामंत्री ना लिखें यह सिर्फ राष्ट्र के लिए है।
- संगठन मे आयी जागरूकता को देखते हुए संगठन से जुड़े प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति, कार्यों के प्रति समर्पित भावना,पद की गरिमा अनुसार कार्य, साथ ही समय आने पर तन, मन, धन से संस्था को सहयोग प्रदान करे।यह सब देखा जायेगा
- सभी प्रदेश कृपया ध्यान देवे आपको प्रदेश स्तरीय समिति प्रभारी भी नहीं बनाना है। केवल राष्ट्रीय समिति प्रभारी होगा।
- सभी प्रदेश अध्यक्ष विशेष ध्यान दे.. यदि आपके प्रदेश मे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष है, वर्तमान सेंट्रल या आँचलिक पदाधिकारी है तो उनको प्रदेश के व्हाट्सएप ग्रुप मे अवश्य जोड़े।

मंजु बांगड़ रा. अध्यक्ष ❊ ज्योति राठी रा. महामंत्री

05.06.23

पूर्वांचल

वृहतर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

त्रयोदश सत्र में त्रयोदश माह में त्रयोदश दिन लगातार सेवा कार्य
नौ कन्याओं को कराया भोजन, साथ ही उपहार और दक्षिणा भी दी

प्रत्येक माह (13 माह) के 13 दिनों तक लगातार सेवा कार्य करने का संकल्प, आर.जी. कर हॉस्पिटल श्याम बाजार में संचालित रोटी ऑन व्हील्स द्वारा 300 से भी अधिक लोगों को (गरमा गरम रोटी, अचार और सब्जी) खिलाई गई। अपने ही समाज के बच्चे को क्लास 11 की एडमिशन फीस 14200/- रू विद्यालय में जमा किये गये। गत वर्ष की भांति इस सत्र में भी गौ माता की सेवा बराबर जारी रखने का संकल्प प्रथम गो सेवा कार्य वैशाखी अमावस्या को लिलुवा पिंजरापोल गौशाला में गौ सेवा करके शुभारंभ किया गया गायों को गुड़, दलिया के लड्डू की स्वामणी,85 किलो तरबूज,850 रोटिया और पालक खिलाया गया, ग्वालों को लस्सी पिलाई गई । अक्षय तृतीया पर मांडना प्रतियोगिता का आयोजन सभी 10 अंचलों की भागीदारी से किया गया, जिसमें 18 प्रविष्टि प्राप्त प्रथम, द्वितीय, तृतीय, सांत्वना से पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय द्वारा सामूहिक सुंदरकांड प्रतियोगिता में प्रदेश से 5 प्रविष्टियां भेजी गई ।

1. अष्टसिद्धा–प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों की बैठक 14. 4. 2023 को हावड़ा क्लब हाउस में सम्पन्न हुई। 40 सदस्यों की उपस्थिति रही। हावड़ा अंचल कार्यकारिणी एवं कार्यसमिति बैठक संपन्न संरक्षक श्रीमती निर्मला जी मल्ल द्वारा संगठन को एक जुट होकर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

2. संस्कार सिद्धा –हावड़ा अंचल हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 51 जरूरतमंद बच्चों में कॉपी, पेन एवं बिस्किट वितरित। दक्षिण कोलकाता अंचल कुल 4 बच्चे की फीस भरी गई फीस की राशि 35000, 20000, 25000, 12400 है।

3.संस्कृति सिद्धा– हावड़ा अंचल नववर्ष के उपलक्ष पर जरूरतमंद कन्याओं को वस्त्र एवं फल वितरण किया गया, हनुमान जन्मोत्सव पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ। दक्षिण कोलकाता अंचल हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन, स्कूल बच्चों के बीच में फूड पैकेट वितरण । पूर्व कोलकाता नवरात्रि के अवसर पर अध्यक्षा के द्वारा नौ कन्याओं को भोजन, उपहार और दक्षिणा दी गई, हनुमान जन्मोत्सव पर 431 हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, नवसंवत पर संपूर्ण रामचरितमानस का पाठ, सुंदरकांड का पाठ, नानी बाई के मायरे में मिक्सी और हीटर दिया गया। बेलघरिया अंचल मिलन उत्सव गेम्स,हाउजी एवं स्वादिष्ट भोजन के साथ धूमधाम से मनाया गया,हनुमान जन्मोत्सव पर सामूहिक सुंदरकांड का पाठ अखंड दीपक की ज्योत के साथ एवं चूरमा और पेड़े का भोग लगाकर सभी को प्रसाद वितरण। मध्य कोलकाता अंचल अक्षय तृतीया के अवसर पर 51 ब्राह्मण को गंगा घाट पर भोजन, हनुमान जन्मोत्सव पर सामूहिक सुंदरकांड का पाठ । रिसड़ा अंचल हनुमान जन्मोत्सव पर सामूहिक सुंदरकांड का पाठ ।

05.06.23

4. संकल्पसिद्धा –प्रदेश द्वारा 500 से अधिक राहगीरों मे शरबत वितरण। हिंदमोटर अंचल हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में लिलुआ स्थित पिंजरापोल गौशाला में गायों को दो सवामणी तथा 200 रोटियां खिलाई गई, ग्वालों को श्रद्धा अनुसार भेंट । पूर्व कोलकाता अंचल वैशाख की अमावस्या पर तीन गौशाला में गायों के लिए 1000 रोटी, हरा चारा, गुड़, हरी सब्जी ,दलिया की सवामणी, गायों के लिए 15 पंखे लगाए ग्वालों को कैरी पानी, फूटी और नाश्ता, काकुडगाछी मोड पर 51 केजी दही का मट्ठा और चप्पल का वितरण। बाली अंचल गौशाला में गौ माता को 2 स्वामिनी 300 रोटी 90 आटी पालक एवं गुड़ खिलाया गया। मध्य कोलकाता अंचल अमावस्या को गायो को चारा, रोटी, हरी घास । नवयुवती अंचल गौशाला में चारा एंव गुड खिलाकर गौ सेवा, प्रदेश एवं अंचल के पदाधिकारियों की उपस्थिति में सांस्कृतिक कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया।

5. संचारसिद्धा (तकनीकी ज्ञान) नवयुवती मंडल zoom पर पोस्टर मेकिंग क्लास करवाई जिसमें 19 मेंबर्स ने अटेंड किया ।

प्र. अध्यक्ष–मंजू पेडीवाल * प्र. मंत्री–कुसुम मुंदड़ा

पश्चिम बंगाल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

दिव्यांग बच्चे को दिया पंखा.... समर कैंप का किया आयोजन... बच्चों को खाना खिलाया

अष्ट सिद्धा (व्यक्तित्व विकास एवं उत्कृष्ट नेतृत्व प्रशिक्षण समिति)–उपाध्यक्ष आभाजी लाहोटी को अलीपुरद्वार शाखा द्वारा सम्मानित किया गया।

संस्कृति सिद्धा (बाल एवं किशोरी विकास समिति) –पुरूलिया माहेश्वरी नवयुवती संगठन द्वारा समर कैंप का आयोजन – जिसमें 4 से 12 साल के 27 बच्चों ने भाग लिया। वहाँ उन्हें मंत्र उच्चारण से लेकर प्रार्थना,पेंटिंग, बिना गैस का अल्पाहार ,रोचक कहानियां, जुंबा, वॉल हैंगिंग बनाना सीखाया गया एवं बच्चों ने खेलकूद का भरपूर आनंद उठाया। सभी बच्चों को अल्पाहार एवं उपहार भी दिया गया। नलहटी मे ,22 अप्रैल को दिव्यांग बच्चे को पंखा दिया और बच्चो को खाना खिलाया।

स्वयं सिद्धा (महिला सशक्तिकरण समिति)–सिक्किम संगठन, द्वारा आयोजित online प्रतियोगिता के परिणाम.....

गणगौर गीत प्रतियोगिता –प्रथम–सोनी(दिनहट्टा, थ.इ) द्वितीय..... (रामपुरहाट), तृतीय ....(लखीमपुर, असम), फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता–प्रथम .... दोनों (कालियागंज) प्रथम पुरस्कार में टाई हुआ है द्वितीय .(नेपाल) तृतीय ....(कालियागंज),

ज्ञान सिद्धा (साहित्य समिति), संस्कार सिद्धा (आध्यात्म एवं परंपरा समिति) राष्ट्र प्रायोजित कार्यक्रम में मालदा,रायगंज, पुरूलिया, गंगटोक, दार्जलिंग, जलपाईगुड़ी अलीपुरद्वार,दुर्गापुर,नलहट्टी, कुचबिहार इन सभी जगहों ने बढ़चढ़कर हनुमान जन्म उत्सव बहुत ही धूमधाम के साथ मनाया गया । सुंदरकांड का पाठ ज्योत , झांकी और भजनों का आयोजन किया गया। प्रदेश द्वारा आखा तीज पर वीडियो बनाओ प्रतियोगिता में 6 स्थानीय संगठनों ने भाग लिया। अनेक स्थानों पर आखा तीज के दिन शरबत,लस्सी तरबूज,खरबूजा बांटा गयाऔर ठंडे पानी का प्याऊ लगायी गयी।

सत्संग क्लास शुरू की गई। दार्जलिंग संगठन ने नारायण रेकी क्लास करवाई।

रघुकुल रीत सिद्धा (पारिवारिक समरसता एवं परामर्श समिति)–अलीपुरद्वार मे 9 अप्रैल को स्थापना दिवस मनाया गया तथा 13 अप्रैल को समाजसेवी श्री रामकिशोर जी दरक के नारायन धाम चले जाने के बाद , गीता पाठ करके श्रद्धांजलि दी गई।

संकल्प सिद्धा (ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति) दार्जलिंग संगठन द्वारा नारायण भोजन में लगभग 450 आदमी को भोजन करवाया है।

संचार सिद्धा (कंप्यूटर समिति)– हनुमान जन्मोत्सव पर सुन्दरकाणड और अक्षय तृतीया के महत्व पर वीडियो

05.06.23

बनाया गया।

संजीवन समिति (स्वास्थ्य समिति) 20अप्रैल सिक्किम में Breast Cancer, Cervical Cancer, Women Hygiene के विषय में एक सेशन रखा गया।अर्पणा शर्मा (consultant) द्वारा करीब 20 महिलाओं के टेस्ट सैम्पल कलेक्ट किए गए। साथ ही डाक्टर गगन रूचाल (State Project Coordinator cum Consultant) हरकी माया तमांग (Program Coordinator of the Indian Council of medical research, Health Family Welfare Department, Govt. of Sikkim द्वारा बहुत ही फायदेमंद जानकारी दी गई। दुर्गापुर शाखा ने आँखों के डाक्टर द्वारा हिन्दी हाई स्कूल सागरभाँगा के बच्चों व टीचर एवं सभी स्टाफ़ लोगों का Eye Checkup करवाया गया।

अध्यक्षा– रेखा लखोटिया ❋ सचिव– सुधा कल्याणी

पूर्वोत्तर (असम)माहेश्वरी महिला संगठन

रंगली बिहू पर विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम किये आयोजित

नचाया कान्हा ने अपने संग, पाया गणगौर से सौभाग्य उमंग
हर गली बजा डंका ...श्री राम एवं हनुमान नाम का
भक्ति रस की गंगा का चढ़ा .. पूर्वोत्तर पर रंग

संस्कृति सिद्धा: मार्च महीने में होली पर रंगारंग कार्यक्रम, चंग एवं कान्हा संग होली, गंगौर पर भव्य बनौरे एवं प्रतियोगिताएं, नवरात्रि पर भजन कीर्तन,रामनवी पर अखंड पाठ का आयोजन ।

पूर्वोत्तर के चुनाव संपन्न : गोलाघाट से पूनम मालपानी अध्यक्ष,तेजपुर से मधु झवर सचिव ।

स्वयं सिद्धा समिति: पूर्वोत्तर द्वारा विशेष कार्य मास्टर शेफ इंडिया सीजन 7 फर्स्ट रनर अप सांता शर्मा का सम्मान। एम बी बी एस छात्रा राजश्री सराफ एवं पी एच डी डिग्री होल्डर रश्मि अग्रवाल का सम्मान।

संस्कृति सिद्धा : रंगली बिहू पर विभिन्न रंगारम कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताए। हनुमान जनमोत्सव पर ज्ञान वर्धक प्रतियोगिताएं, शोभा यात्राएं , सजीव झांकीयां 56भोग, ,सुंदरकाण्ड,हनुमान चालीसा,अखंड रामायण पाठ , एवं जूस वितरण । अक्षय तृतीया पर वृक्षा रोपण,सामूहिक पाठ वृद्धा आश्रम में अल्पाहार, जल सेवा, कामाख्या धाम में हाजिरी।

हरिद्वार स्नान के लिए बहने हुई रवाना ।

रघुकुल रीत सिद्धा : अखिल द्वारा प्रेषित कार्यक्रम हनुमान प्राकट्य उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत एक विडियो भेजा गया।

ग्राम विकास : वृद्ध आश्रम में आवश्यक वस्तुएं वितरण।

अध्यक्ष–पूनम मालपानी ❋ सचिव–मधु झंवर

सर्वश्रेष्ठ एवं उत्तम विचार नारियों को समाज में बराबरी का हक दिलवाने में मद्दगार साबित होंगे एवं लोगों के मन में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना पैदा करेंगे।

05.06.23

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

विशाल बाइक रैली एवं पैदल पदयात्रा द्वारा राम संदेश का प्रचार

जगन्नाथ धाम पुरी में श्रीमती अस्मिता जी मूँधड़ा की अध्यक्षता में उत्कल प्रदेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की नई टीम का गठन किया गया। उनके नेतृत्व में निम्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए–

अष्टसिद्धा– पुरी धाम में कार्यसमिति सदस्य सुनीता जी राठी द्वारा नेतृत्व के गुणों पर प्रकाश डाला गया, साथ ही श्रृंखलाबद्ध संगठन की कार्यप्रणाली से सभी को अवगत करवाया गया। प्रदेश से श्रीमती अनुजा काबरा को इस समिति की पूर्वांचल सह– प्रभारी चुना गया। प्रदेश की सभी पदाधिकारी सदस्य, जिला अध्यक्ष, सचिव एवं समिति संयोजिकाओं की ज़ूम पर औपचारिक बैठक आयोजित की गई।

संस्कारसिद्धा–प्रदेश के विभिन्न जिलों में बच्चों में हनुमान चालीसा पठन, फैंसी ड्रेस जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की। स्पोर्ट्स इवेंट– 2023 का आयोजन बहुत धूमधाम से किया गया। जिसमें बच्चों और किशोरियों के लिए चैस, कैरम और विभिन्न तरह की रोचक खेल प्रतियोगिताएं रखी गई। जजेस को प्लांट्स देकर सम्मानित किया। संबलपुर जिला मे एक गरीब बच्चे की तीन महीने की फीस जमा कराई।

स्वयंसिद्धा–बालेश्वर जिला स्थित महिला सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं का सिलाई प्रशिक्षण जारी है।

ज्ञानसिद्धा– श्रीमती संध्या जी सारडा द्वारा यूट्यूब पर निध्या– एक अहसास शीर्षक से कविताओं के ब्लॉग प्रसारित किए जा रहे हैं।

संस्कृतिसिद्धा– हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सामूहिक सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ एवं भजन आदि किए गए। बाल हनुमान की मनमोहक झांकी निकाली गई। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता के लिए वीडियो बनाए गए, जिसमें प्रदेश के जाजपुर जिले ने पूर्वांचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री राम नवमी के पावन अवसर पर विशाल बाइक रैली एवं पैदल पदयात्रा में राम भक्तों को स्थान– स्थान पर शरबत, छाछ एवं ठंडा पानी पिलाया गया। बालेश्वर जिला माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सनातन धर्म साधना पीठ बीकानेर के पीठाधीश्वर– श्री पंडित भाईश्री द्वारा स्थानीय माहेश्वरी भवन में सत्संग एवं प्रवचन का पुण्य प्रसंग आयोजित किया गया।

रघुकुल रीतसिद्धा –समाज के बड़े बुजुर्गों द्वारा संयुक्त परिवार एवं पारिवारिक एकता का महत्व समझाया गया

संकल्पसिद्धा– भुवनेश्वर महिला समिति द्वारा अनाथ आश्रम मे 100 मूक बच्चों को जूस और नाश्ता दिया। प्रदेश के सभी जिलों में प्रचंड गर्मी को देखते हुए राहगीरों, ऑटोरिक्शा चालक, रिक्शा चालक एवम अन्य के लिए छाछ, शरबत एवं जूस का वितरण किया गया। संबलपुर मे श्री हरी ओम बाबा आश्रम में 2 पंखे लगवाऐ,और पुलिस कर्मियों को शरबत पिलाया गया।

संचारसिद्धा– (तकनीकी ज्ञान समिति)–प्रदेश से श्रीमती मनीषा सोमानी को इस समिति की पूर्वांचल सह– प्रभारी के रूप में चुना गया। उन्होंने जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ, हिंदू नव– वर्ष, उत्कल दिवस, हनुमान जन्मोत्सव, श्री राम नवमी एवम अक्षय तृतीया के अवसर पर शुभकामनाएं एवं बधाई संदेश प्रेषित किए।

संजीवनसिद्धा– (स्वास्थ्य समिति)–कटक जिला द्वारा दिल्ली से पधारे डा सौरभ रंजन के मार्ग दर्शन में जीवन जीने की कला पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विशेष रूप से ध्यान ,उचित खानपान व समय पर सभी कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया गया।

हम बिना दवाई के कैसे स्वस्थ रख सकते है, इस बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। सभागार में उपस्थित लगभग 75 जनों ने 30 मिनिट का मेडिटेशन किया।

वर्ल्ड होम्योपैथी डे पर होमियोपैथी डॉक्टर निमिषा बिनानी को सम्मानित किया गया एवं उनके द्वारा महिलाओं का निशुल्क चेकअप किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष–अस्मिता मूंदड़ा ⁎ प्रदेश सचिव–शशी डोंगरा

05.06.23

नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन

गुड टच, बैड टच क्लास, फायर लेस कुकिंग क्लास व समर कैंप का हुआ आयोजन, संस्कार क्लास व राम लेखन कार्यशाला हुई सम्पन्न

कार्यसमिति बैठक : नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन के षष्टम सत्र की द्वितीय कार्यसमिति बैठक 1 अप्रैल, 2023 सोमवार के दिन जूम प्रांगण पर किया गया। हमारी निवर्तमान अध्यक्ष और कार्यसमिति सदस्य श्रीमती अनीता जी अटल द्वारा नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन के षष्टम सत्र की नई कार्यसमिति, समिति संयोजिकाएं एवं सहसंयोजिका की घोषणा की गई।

समिति संयोजिका सह-संयोजिका संग मीटिंग : 26 अप्रैल, 2023 को नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा समिति संयोजिका सह-संयोजीकाए के साथ एक इनफॉरमल मिटिंग जूम प्रांगण पर किया गया। मिटिंग में पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारडा की गरिमामय उपस्थिति रही।

विशेष कार्यक्रम: 12 अप्रैल, 2023 को कर्नाटक गोवा प्रांतीय से काठमांडू भ्रमण में आए हुए माननीय अतिथियों से नेपाल माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती निशा जी माहेश्वरी एवं प्रदेश मंत्री श्रीमती मल्लिका जी राठी, समाजजनों द्वारा माहेश्वरी भवन काठमांडू में भेंटघाट किया गया। नेपाल भ्रमण का कार्यक्रम 19 अप्रैल, 2023 को जनकपुर धाम के जानकी मंदिर से शुभारंभ किया। सगरमाथा मंच, मेची मंच, सुनसरी मंच और विराटनगर मंच में भ्रमण किया गया।

अष्टसिद्धा -विराटनगर माहेश्वरी महिला मंच द्वारा 3 अप्रैल,2023 को पंचम सत्र के कार्यकर्ताओं का पुरस्कार वितरण एवं कार्यकर्ता सम्मान कार्यक्रम निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती अनिता जी अटल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नेपाल संगठन के संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती गोमती जी राठी के साथ-साथ पूर्व अध्यक्षा श्रीमती अनीता जी सोनी, श्रीमती उमा जी राठी, पूर्वांचल उपाध्यक्ष श्रीमती गिरिजा जी सारडा की गरिमामय उपस्थिति रही।

संस्कारसिद्धा -विराटनगर माहेश्वरी महिला मंच एवं युवा मंच के संयुक्त तत्वाधान मे तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 82 बच्चों की सहभागिता रही। बच्चों को संस्कार क्लास, डायनिंग एटिकेट तथा फील्ड ट्रिप कराया गया। डांस क्लास तथा आर्ट एंड क्राफ्ट, ऑरिगामी क्लास तथा गुड टच, बैड टच क्लास, फायर लेस कुकिंग क्लास कराया गया। क्लोजिंग सेरेमनी के दिन शिक्षकों और सहयोगियों को टोकन ऑफ लव, तथा 82 पार्टिसिपेंट्स को सर्टिफिकेट आफ पार्टिसिपेशन दिया गया।

स्वयंसिद्धा-मेची महिला मंच के तरफ से 9 अप्रैल, 2023 को विराटनगर में राज दीदी के कार्यक्रम किया, जिसमें सिलीगुड़ी से भी बहनों की उपस्थिति रही।

ज्ञानसिद्धा -5 अप्रैल, 2023 को 'राम नाम लेखन कार्यशाला' गूगल मीट के माध्यम से कराई गई। प्रशिक्षिका श्रीमती किरण जी अटल विराटनगर थी।

संस्कृतिसिद्धा-21 अप्रैल, 2023 को अक्षय तृतीया के महत्व पर लेख लिखने की प्रतियोगिता करवाई गई। हनुमान प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य में ऑल इंडिया से आए सामूहिक सुंदरकांड में 5 वीडियोस भेजा गया एवं मंदिर में सुंदर कांड का पाठ भी किया।

गणगौर के उपलक्ष्य में सिक्किम माहेश्वरी महिला संगठन गंगटोक द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रतियोगिता में नेपाल से भी बहनों ने परचम लहराया। फैंसी ड्रेस कंपटीशन में मेचि से श्रीमती पूनम जी गट्टानी द्वितीय स्थान पर रही एवं गीत के लिए सराहनीय प्रयास में रही श्रीमती पूनम जी गट्टानी एवं श्रीमती सुधा जी तोषनीवाल।

रघुकुल रीतसिद्धा (पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति)-नेपाल भ्रमण के दौरान संगठन के अध्यक्ष श्रीमती निशा जी माहेश्वरी द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ, शादी के बाद बेटियां छोटी जगह में कैसे एडजस्ट करें एवं माँ की भूमिका बच्चों में संस्कार डालने की जिम्मेदारी होती है और हमें अपने नाम के साथ माहेश्वरी जोड़कर अपनी पहचान बनाए रखना है और ''संगठन एक परिवार है'' जिससे हम सबको मन से जुड़ने का प्रयास करना चाहिए, ऐसे विषयों पर चिंतन व विचार-विमर्श भी किया गया।

संकल्पसिद्धा (ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति)-रूपंदेही महिला मंच द्वारा अक्षय तृतीय के अवसर पर वृद्ध आश्रम एवं संस्कृत विद्यालय में जूस, तरबूज एवं बच्चों को दूध पिलाया गया। मेची मंच द्वारा जुनकिरी स्कूल में बच्चों को जूस बिस्किट और खाने की सामग्री का वितरण किया। काठमांडू महिला मंच द्वारा 'हॉलिस्टिक ट्रीटमेंट' पर टॉक शो 'लाइफ आफ्टर 4' किया गया जिसकी वक्ता डॉ सोनल बिहानी बंग थी।

अध्यक्ष-निशा माहेश्वरी ❊ प्रदेश मंत्री-मल्लिका राठी

05.06.23

पश्चिमांचल

पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

ब्लड डोनेशन कैंप में 200 यूनिट रक्त एकत्रित किया, बहनों ने किया रक्तदान

पृथ्वी दिवस पर स्लोगन प्रीतियोगिता एवं गौशाला में दिया चारा

अष्ट सिद्धा समिति–प्रदेश की प्रथम जूम मीटिंग निर्वतमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशाजी माहेश्वरी, पश्चिचमांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मधुजी बाहेती, पश्चिमी अंचल संयुक्त मंत्री श्रीमती शिखाजी भदादा के गरिमामय सानिध्य में आयोजित हुई। राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममताजी मोदानी की पश्चिचमांचल की मीटिंग में गरिमामय उपस्थिति पर स्वागत किया गया। सभी केंद्रीय पदाधिकारियों के द्वारा मीटिंग में संगठन के बारे में जानकारी दी गई, एवं उपस्थित सदस्यों के प्रश्नों का संतुष्टिपूर्ण उत्तर दिया गया। पश्चिमी अंचल के छह प्रदेश के अध्यक्ष व मंत्री की उपस्थित मीटिंग में रही। श्रीमती रितुजी मूंदड़ा अष्ट सिद्धा समिति की पश्चिमी अंचल सह प्रभारी बनाई गई।

स्वयं सिद्धा समिति–एक सदस्य द्वारा अपने विवाह वर्षगांठ पर नेत्रदान का संकल्प लिया गया। श्रीमती कंचनजी राठी को पश्चिमी अंचल सह प्रभारी बनाया गया।

संस्कृति सिद्धा समिति–प्रदेश एवं जिला के सभी सदस्यों द्वारा हनुमान चालीसा पाठ किए गए, हनुमान चालीसा का वीडियो बनाकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भेजा गया। पुष्पाजी सोमानी को पश्चिमी अंचल सह प्रभारी बनाया गया।

संजीवन सिद्धा समिति–एस. आर. पब्लिक स्कूल के तत्वाधान में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया, 200 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। महिला संगठन की बहनों द्वारा रक्तदान दिया गया।

संकल्प सिद्धा समिति–पृथ्वी दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता रखी गई, 30 प्रतिभागीयों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय विजेताओं की घोषणा की गई। गौशाला में चारा दिया गया। एक कन्या के विवाह का सामान दिया।

22 अप्रैल पृथ्वी दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता पृथ्वी दिवस पर स्लोगन प्रतियोगिता रखी गई जिसमे करीब 30 बहनों की भागीदारी रही।

पश्चिमी अंचल प्रदेश जूम मीटिंग में निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष आशा माहेश्वरी, पश्चिमी अंचल उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती, संयुक्त मंत्री शिखा जी भदादा की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित हुई। संगठन के बारे में जानकारी दी एवं 6 प्रदेश के अध्यक्षों के प्रश्नों के संतुष्टि पूर्ण उत्तर दिए गए। हनुमान जयंती के उपलक्ष में बच्चों के द्वारा हनुमान चालीसा पाठ किए। हनुमान चालीसा एवम सुंदरकांड राष्ट्रीय प्रतियोगिता वीडियो बनाकर भेजे गए थे, उसमें कुंती मूंदड़ा परिवार प्रथम रहा। SR पब्लिक स्कूल के साथ मिलकर संगठन की बहनों द्वारा ब्लड डोनेशन का कैंप लगाया गया, 200 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। महिलाओं को स्वरोजगार वैधानिक अधिकारों की जानकारी दी गई।

एक सदस्य द्वारा अपने जन्मदिन पर नेत्रदान का संकल्प लिया गया। एक सदस्य द्वारा अपनी विवाह वर्षगांठ पर पति पत्नी दोनों ने नेत्रदान का संकल्प लिया।

गणगौर उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया , बगीचे में जाकर झाले लिए गए। कोटा , बूंदी, भवानी मंडी सभी जगह पर सामूहिक उद्यापन किए गए। कोटा जिला महिला संगठन द्वारा एक बेटी के विवाह उपलक्ष में सामान व बिंदौरा दिया गया ।

8 मार्च महिला दिवस उपलक्ष्य शुरुवात की गई। महिला सदस्य द्वारा 5 जनों को राशन सामग्री हर महीने हर महीने दी जा रही है नवरात्रि में कन्या भोज किया गया। जीवती रे बेटी ट्रस्ट के माध्यम से एक बालिका को मेडिकल की पढ़ाई के लिए 20000 की राशि दी गई। महिला ट्रस्ट द्वारा 25000 की सहायता राशि भेजी गई।

कोटा की एक उद्यमी बहन को पश्चिमी अंचल उपाध्यक्ष मधु जी बाहेती के प्रयास से 30000 की राशि दिलवाई गई।

प्र.अध्यक्ष–मंजू भराड़िया ❊ प्र. मंत्री नीलम तापड़िया

05.06.23

पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सामाजिक कार्य में स्वयं महिलाओं ने अपने हाथों से बनाया 1000 मेहमानों का खाना

अष्टसिद्धा समिति – इस समिति के तहत अप्रैल माह में पश्चिमांचल उपाध्यक्ष श्रीमती मधु जी बाहेती व पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री शिखा जी भदादा द्वारा zoom पर पश्चिमांचल के सभी प्रदेश अध्यक्ष व सचिव की मीटिंग रखी गई जिसमें निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती आशा जी माहेश्वरी व राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी की गरिमामयी उपस्थिति रही और उनके द्वारा संगठन के बारे में जानकारी दी गई । जूम में उपस्थित सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का संतुष्टि पूर्ण उत्तर दिया गया ।

संस्कार सिद्धा समिति : जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला संगठन पश्चिमी क्षेत्र द्वारा एक कदम शिक्षा की ओर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वयं सिद्धा समिति–15 अप्रैल 2023 को निवृत्तमान अध्यक्ष शिवकन्या जी का विदाई समारोह एवं उनके सत्र 2020 – 22 के कार्यकाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

संस्कृति सिद्धा समिति – जोधपुर माहेश्वरी महिला संगठन पूर्वी क्षेत्र द्वारा हनुमान जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जालौर जिले में हनुमान जन्मोत्सव के बहुत सुंदर कार्यक्रम आयोजित हुए। जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला मंडल पश्चिमी क्षेत्र द्वारा 17 सामूहिक गणगौर उद्यापन का भव्य आयोजन किया गया।

रघुकुल रीत सिद्धा समिति – चौहटन माहेश्वरी समाज के करीब 50 महिलाओं ने एक सामाजिक कार्यक्रम के लिए विभिन्न राज्यों से आए हुए 1000 मेहमानों का स्वयं ने खाना बनाया।

संकल्प सिद्धा समिति –जोधपुर शहर माहेश्वरी महिला संगठन दक्षिणी क्षेत्र द्वारा गंगानी गांव में संपर्क संस्थान में अनाथ बच्चों को 51 जोड़ी चप्पले वितरित की गई एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु पौधारोपण कार्यक्रम भी किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष–मनीषा मूंदड़ा * प्रदेश मंत्री–रीटा माहेश्वरी

हमारी भारतीय संस्कृति में भी महिलाओं के महत्व को बताया गया है एवं उन्हें देवी का रुप माना गया है। इसके साथ ही वेदों, पुराणों और शास्त्रों में भी महिलाओं की शक्ति और क्षमता का बखान किया गया है।

महिलाओं के बिना इस दुनिया की कल्पना नहीं की जा सकती, क्योंकि महिलाएं ही वंश को आगे बढ़ाती हैं एवं किसी भी देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

05.06.23

मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''बढ़ते संबंध विच्छेद'' पर किया चिंतन, मनन : प्रस्तुत किए कारण व निवारण

''आओ चलें राम के पथ पर, कार्यक्रम से किया सत्र का शुभारंभ, पर उपकार वचन मन काया घोषवाक्य को अपनाकर, करेंगे कार्य राष्ट्रीय संगठन के अनुरूप, फैलाएंगे सुरभि संगठन की चहु ओर''

14 अप्रैल को मध्य राजस्थान प्रदेश की नई टीम का गठन व समितियो के अंतर्गत किये गए कार्य :-

अष्टसिद्धा:- व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति:-इस समिति अंतर्गत मालपुरा में नए संगठन माहेश्वरी नवोदिता मंडल का गठन। प्रदेश पदारोहण समारोह आओ चले राम के पथ पर अंतर्गत राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती ममता जी मोदानी द्वारा नेतृत्व के गुणों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री श्रीमती शिखाजी भदादा द्वारा श्रृंखला बद्ध संगठन की कार्यप्रणाली से सभी को लाभान्वित किया। मकराना में पूर्व अध्यक्षों का सम्मान किया गया।

संस्कार सिद्धा: बाल एवं किशोरी विकास समिति:- प्रदेश में गीता ज्ञान कार्यशाला का आयोजन।अपना घर मूकबधिर एवं दृष्टिहीन संभाग आवासीय विद्यालय कोटड़ा अजमेर मैं बालक एवं बालिकाओं को भोजन कराया एवं स्टेशनरी सामग्री वितरित करी।सरवाड़ मे सरकारी स्कूल में बच्चों को 100 खाने के पैकेट और 100 जोड़ी चप्पल वितरित की गई। हनुमान जन्मोत्सव पर फैंसी ड्रेस एवं हनुमान चालीसा पठन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

स्वयं सिद्धा : महिला सशक्तिकरण समिति:- सेठ सूरजमल तापड़िया ट्रस्ट के अंतर्गत प्रदेश में 13 महिलाओं को सहायता प्रदान की गई। ब्यूटी टिप्स हेतु 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन।

ज्ञान सिद्धा : साहित्य समिति:- बढ़ते संबंध विच्छेद:- कारण और निवारण प्रतियोगिता का आयोजनजिसमे प्रदेश की बहनों ने बहुत ही उल्लास से भाग लिया।

संस्कृति सिद्धा : अध्यात्म एवं परंपरा:- हनुमान प्राकट्य उत्सव पर सभी जिलों में सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर वीडियो बनाएं गए। प्रदेश में जानकी जन्मोत्सव भी मनाया गया।

रघुकुल रीत सिद्धा : पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति प्रदेश में एक युवा जोड़े को समाज की प्रबुद्ध महिलाओं की मध्यस्थता से एक करने का प्रयास जारी है।

संकल्प सिद्धा : ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति:- प्रदेश से श्रीमती सुनीता रांधड अंचल सहप्रभारी पद पर सुशोभित। प्रदेश में गौशाला एवं गायों के लिए जगह-जगह सेवा कार्य का आयोजन । शीतल जल सेवा हेतु प्याऊ लगवाई गयी। पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रदेश के विभिन्न मंडलों द्वारा वृक्षारोपण।

संचार सिद्धा : तकनीकी ज्ञान समिति: अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन का अनुसरण करते हुए जरूरत होने पर प्रदेश नहीं अपितु जिलों में भी वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। नागौर में केस लेस डिजिटल ट्रांजैक्शन पेमेंट सिस्टम की जानकारी दी गई।

संजीवन सिद्धा : स्वास्थ्य समिति:- नेत्रदान समिति अंतर्गत प्रदेश में 10 फॉर्म भरे गए। अजमेर जिले में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सवाई माधोपुर में पांच दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। कुचामन में एक संबंध भी कराया।

महिला संगठन के स्थाई प्रकल्प माहेश्वरी महिला पत्रिका के नवीन सत्र में 100 सदस्य बनाये गए।

प्रदेश अध्यक्ष-शशि लड्ढा * प्रदेश मंत्री-मनीषा बागला

05.06.23

मध्यांचल

पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

''सृष्टि'' 2023 का आयोजन, शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

पश्चिमी मध्य प्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन का कार्यकर्ता सम्मान समारोह एवम शपथ विधि का आयोजन ''सृष्टि'' 2023 का आयोजन उज्जैन जिला माहेश्वरी महिला संगठन के आतिथ्य व स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के संयुक्त तत्वाधान में 2 मई 2023 को प्रशांति गार्डन, उज्जैन में संपन्न हुआ ।

सर्वप्रथम सभी आतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलन कर उमा महेश के जयकारे के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महेश वंदना एवम स्वागत गीत की प्रस्तुति के पश्चात उज्जैन जिला अध्यक्ष श्रीमती राधा जी असावा द्वारा शाब्दिक स्वागत एवम प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती वीणा जी सोमानी द्वारा स्वागत उद्बोधन दिया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवम शपथ अधिकारी के रूप में मध्यांचल उपाध्यक्ष श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री विशेष रूप से उपस्थिति थी । इस शुभ अवसर पर पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता जी मूंदड़ा, सुशीला जी काबरा सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की गौरवमयी उपस्थिति रही ।

महिला सेवा ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती ललिताजी मालपानी व राष्ट्र समिति प्रभारी नम्रताजी बियानी, मध्यांचल सहप्रभारी श्रीमती शांता जी मंत्री, रंजना जी परवाल भी उपस्थिति रहीं। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में सभी को टेक्नो फ्रेंडली होने की आवश्यकता एवम संगठन द्वारा दी जाने वाली सहायता के बारे में बताया , और कहा शिक्षा ही सबसे अमूल्य है, और इसे हम सिर्फ अपने परिश्रम से ही प्राप्त कर सकते है। जिला अतिथि के रूप में आरती जी सोडाणी ने भी सदन को संबोधित किया । निवृतमान प्रादेशिक अध्यक्ष अरूणा जी बाहेती व संस्था अध्यक्ष वीणा जी सोमानी द्वारा सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान गौरवशाली परंपरानुसार किया गया । संचालन किरण जी लखोटिया ने किया।

इस अवसर पर विशेष तकनीकी सहयोगी रही अर्चना जी के. माहेश्वरी व श्वेता जी बजाज ।

नवनियुक्त प्रादेशिक अध्यक्ष श्रीमती उषा सोडाणी व मंत्री शोभा माहेश्वरी ने अपने सभी पदाधिकारियों के साथ शपथ ग्रहण की । 16 जिलों की 200 सदस्यों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। इस अवसर पर विशेष उपस्थिति प्रकाश जी बाहेती , राजेश जी सोमानी व जिला संगठन से नितिन जी बाहेती की रही ।इस अवसर पर प्रदेश द्वारा नियुक्त सभी समितियों का भी सम्मान किया गया।

आभार उज्जैन जिला सचिव सीमा जी मालपानी व प्रदेश की नवनिर्वाचित मंत्री शोभा माहेश्वरी ने माना । कार्यक्रम का सफल संचालन मनीषा राठी एवम फाल्गुनी बियानी द्वारा किया गया ।

अध्यक्ष–उषा सोडानी ❊ मंत्री–शोभा माहेश्वरी

05.06.23

पूर्वी मध्यप्रदेश की अप्रैल माह 2023 की रिपोर्ट

अक्षय तृतीया पर किया पारंपरिक मटका पूजन एवं किया दान

22 जिले करते एक साथ काज
जिलों की डोर प्रदेश के हाथ
नए सत्र का नया आगाज
सब जिले करते समिति अनुसार काज

संस्कारसिद्धा समिति के अंतर्गत, नाम के अनुरूप प्रदेश की बहनों द्वारा गरीब बच्चों को पठन सामग्री , स्कूल बैग आदि दिए जा रहे है साथ ही समय-समय पर उनकी फीस इत्यादि का खर्चा भी उठाया जा रहा है।

संस्कृतिसिद्धा- समिति के प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी बाहेती के आव्हान पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया ,जिसमें प्रदेश के सभी बहनों ने भाग लिया और दोहों का गायन किया । प्रदेश में हनुमान जयंती पर सुंदरकांड के पाठ एवं बालाजी के भजन गाए गए। अक्षय तृतीया पर पारंपरिक मटका पूजन एवं दान किया गया ।

वैशाख मास में नर्मदा जी का पूजा अर्चन कर स्नान दान शरबत और छाछ का वितरण किया गया। पूरे प्रदेश में गरीब कन्याओ के विवाह में शक्ति अनुरूप उपहार सामग्री दी गयी।

रघुकुल रीतसिद्धा पारिवारिक समरसता समिति के अंतर्गत राष्ट्रीय से आए प्रोजेक्ट में परिवार सहित ,महिला मंडल सहित सुंदरकांड पाठ के पांच वीडियो बनाकर राष्ट्रीय मे भेजे गए।

संकल्पसिद्धा- ग्राम विकास समिति के अंतर्गत प्रदेश की अध्यक्ष रंजना जी बाहेती के आव्हान पर ग्रामीण इलाकों में बहनों ने गरीब लोगों के लिए पुराने वस्त्रों का संग्रहण कर प्रदान किया गया। गौशाला में जाकर गायों को हरा चारा खिलाकर गौ सेवा की गई।

संचारसिद्धा तकनीकी समिति के अंतर्गत ज़ूम संचालन के साथ-साथ, कार्ड और शुभकामना पत्र एवं वीडियो बनाए जा रहे हैं समिति अपना कार्य सुचारू रूप से कर रही है, साथ ही प्रदेश के व्हाट्सअप ग्रुप भी बनाया गया है ।

संजीवनसिद्धा - स्वास्थ्य समिति के अंतर्गत महिलाओं और बच्चों ने रक्तदान किया और इसका महत्व जाना। हरदा में भोपाल से डाईविटीज के डॉ बेले एवम सहयोगियों की कार्य शाला आयोजित की गई जिसमें्। घर में ही रहते है स्वस्थ रहने के राज समझाया गया ।

थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित 10 बच्चों को गोद लिया

मार्च महीने में पारंपरिक त्यौहार होली का प्रदेश में सभी जगह पर बड़े उत्साह उमंग से मनाई फूलों की होली नृत्य नाटिका कृष्ण राधा पर आधारित भोपाल में छात्रावास का शिलान्यास हुआ तो उसमें अनीता जी राजेश जी जावंधिया एवं जावंधिया परिवार से 11 लाख की धनराशि प्रदान की, साथ में प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती भी उपस्थित थे। भोपाल जिले का शपथ ग्रहण कार्यक्रम था, उसमें अनीता जी जावंधिया मुख्य अतिथि थे, प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी बाहेती प्रदेश सचिव राजश्री जी राठी कार्यसमिति शोभा जी लाहोटी मनीषा जी लड्ढा जयश्री जी बजाज इन सभी की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। अनीता जी संयुक्त मंत्री बने उनका सम्मान किया गया। नर्मदा पुरम जिले में शपथ ग्रहण की मुख्य अतिथि अनीता जी जावंधिया साथ में प्रदेश सचिव श्रीमती राजश्री जी राठी को क्राउन एवं शॉल से सम्मान किया। पिपरिया में गणगौर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अनीता जी के उपस्थिति मैं प्रदेश सचिव श्रीमती राजश्री जी राठी उनका भी स्वागत सम्मान किया गया। इटारसी महिला मंडल ने भी संयुक्त मंत्री प्रदेश अध्यक्ष एवं सचिव के सानिध्य में बगैर मंच के बैठक का आयोजन कर चर्चा की, प्रदेश भर में गणगौर उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। गोठ झाले

05.06.23

वारने शोभायात्रा सामूहिक उजवने किए, कहीं-कहीं पर रोचक प्रश्नोत्तरी रखी जिसमें आने वाली पीढ़ी को त्योहारों का महत्व क्या है, क्यों मनाते हैं, इसकी जानकारी दी, नवरात्रि में कन्याओं को भोजन कराया उन्हें उपयुक्त सामग्री भेंट की, राम जन्मोत्सव मनाया रंगोली तोरण दीप से घर को रोशन किया, शोभायात्रा का शीतल पेय का वितरण हुआ हनुमान प्राकट्य उत्सव प्रदेश भर में मनाया गया जिसमें सुंदरकांड का पाठ एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया। सुंदरकांड के वीडियो राष्ट्रीय स्तर पर भेजे गए, उसमें पूर्वी मध्य प्रदेश को मध्यांचल में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ प्रदेश में नेत्र शिविर लगाए तो कहीं पर डायबिटीज पर सेमिनार रखे गए, विशेषज्ञ का मार्गदर्शन रहा अक्षय तृतीया पर पक्षियों को दाना पानी का संकल्प लिया, गरीब बस्ती में पानी के मटके का वितरण किया, प्याऊ के लिए धनराशि दी तो कहीं वृद्ध आश्रम में शीतल पेय एवं सत्तू का वितरण किया गया ,मई में बाल संस्कार वर्ग लिए उनमें बच्चों को श्लोक, योगा, राष्ट्रभक्ति गीत, प्रेरणास्पद कहानियां, क्राफ्ट गीता का बारहवां अध्याय सिखाया गया, पौधारोपण करना, गौशाला में भ्रमण कराया गया। सभी समिति की कार्यप्रणाली अनीता जी द्वारा बताई गई, प्रदेश अध्यक्ष रंजना जी ने सभी समिति संयोजिका को बताया, बहनों को आत्मनिर्भर कैसे बनना हमारे त्यौहार एवं परंपरा पर आधारित किताबें दी, तो मांडना शैली को सिखाने का प्रशिक्षण दिया, बाल संस्कार वर्ग लगाने के सभी जिला अध्यक्ष को प्रदेश सचिव राजश्री राठी ने मार्गदर्शन किया, महेश नवमी के संस्कार सिद्धा में 27 मई के कार्यक्रम में कामधेनु के लिए प्रथम पुरस्कार मिला, महेश नवमी कार्यक्रम में पिपरिया द्वारा रक्तदान शिविर लगाया गया, थैलेसीमिया बीमारी से पीड़ित 10 बच्चों को गोद लिया एवं उक्त पीड़ित बच्चों को आवश्यकतानुसार रक्तदान का संकल्प लिया गया उनको जो रक्त लगेगा पिपरिया समाज द्वारा पीड़ित बच्चों को मिलेगा।

अध्यक्ष-रंजना बाहेती ⁂ सचिव-राजश्री राठी

गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

निशुल्क आँखों की जांच कर, जरूरतमंदों को दवाई और चश्मे बांटे गये

प्रान्त के विविध संगठनों द्वारा फाग उत्सव, नवरात्रि, गणगौर तथा रामनवमी के उपलक्ष्य में अध्यात्मिक व सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रांत की डॉ. सीमा मुंदड़ा, श्रीमती डिंपल सोनी और श्रीमती शिल्पा कलंत्री का विशेष संगठनों द्वारा समाजसेवा योगदान के लिए सम्मान किया गया।

माहेश्वरी महिला मंडल वलसाड जिला द्वारा आयोजित छह दिवसीय बाल संस्कार शिविर में हस्तकला, खेल, योग, श्लोक, देशभक्ति गीत, ई. का छात्र छात्राओं को प्रशिक्षण देते हुए प्रतियोगिताएं ली गई । पुरस्कार, उपहार, अल्पाहार दिए गए। बच्चों की निशुल्क आँख जांच कर, जरूरतमंद को दवाई और चश्मे बांटे गए। माहेश्वरी महिला मंडल सूरत (मेन) द्वारा आयोजित महिला क्रिकेट लीग में कुल 500 से अधिक दर्शकों की उपस्थिति में 12 टीम ने भाग लेते हुए खेल को रोचक बनाया। माहेश्वरी आदिशक्ति फाउंडेशन अहमदाबाद ने विकास गृह में युवतियों के लिए 4 अलमारियां भेंट की। राष्ट्रीय संगठन द्वारा आयोजित हनुमान जन्मोत्सव प्रतियोगिता में प्रदेश की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कुल 44 वीडियो की प्रविष्टि प्राप्त हुई। साथ ही विविध स्तर पर पाठ, भजन ई. का आयोजन किया गया। माहेश्वरी महिला संगठन सिलवासा द्वारा आयोजित पांच दिवसीय योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर में औषधीय पौधों का वितरण भी किया गया।

अध्यक्ष – मंजूश्री काबरा ⁂ सचिव – कांता मोदानी

05.06.23

छत्तीसगढ़ माहेश्वरी महिला संगठन

गुप्तेश्वर महादेव मंदिर के स्थापना दिवस पर सुंदरकांड का आयोजन

राजनांदगांव माहेश्वरी भवन मे 25 अप्रैल मंगलवार वैशाख सुदी पंचमी को गुप्तेश्वर महादेव के 58वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में गुप्तेश्वर महादेव जी का रूद्र अभिषेक माहेश्वरी पंचायत, माहेश्वरी जिला सभा, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा मंडल के पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं सदस्यों के गणमान्य उपस्थिति में संपन्न हुआ।

रूद्र अभिषेक के पश्चात महिला मंडल द्वारा ढोल मंजीरा के साथ संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया।

खुशबू बिखरेगी चारों ओर जैसे सुगंधित होता है इत्र

अष्टम सत्र का सम्मान समापन एवं नवम सत्र 2023 से 26 का शपथ ग्रहण समारोह

अष्टम सत्र 2020 से 2023 अध्यक्ष –अमिता मूंदड़ा, सचिव –भावना राठी, नवनिर्वाचित 2023 से 2026, अध्यक्ष– शशि गट्टानी, सचिव– रूपा मूंदड़ा।

नया संवत ,नवरूप ,नया है जोश और नवम सत्र...

खुशबू बिखरेगी चारों ओर जैसे सुगंधित होता है इत्र।

2 और 3 मार्च को अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन का फलयोग रायपुर में आयोजित।

2 तारीख को उद्घाटन सत्र एवं अवॉर्ड सेरेमनी का सफल आयोजन । छत्तीसगढ़ को मिला डायमंड कैटेगरी एवं प्रदेश पट्टिका में प्रथम स्थान।

3 मार्च को नवनिर्वाचित राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा , स्वागत एवं सम्मान।

आदरणीय मंजू जी बांगड़ बनी राष्ट्रीय अध्यक्ष और संभाली अ. भा.मा. म. की कमान।

आदरणीय ज्योति जी राठी बनी राष्ट्रीय महामंत्राणी जो है छतीसगढ़ का मान।

किया प्रदेश ने अध्यक्ष और महामंत्राणि का स्वागत।

क्योंकि था हम सबके लिए गौरवान्वित होने का वक्त

नाम के अनुरूप ही निकला 3 सालों का योग।

सुंदर कामों से सार्थक हुआ द्वादश सत्र का फलयोग।

अष्टम सत्र का सम्मान एवं समापन समारोह भव्यता के साथ संपन्न।

अष्टम सत्र मैं किए गए कार्यों के लिए कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

नवसंवत के साथ नवम सत्र के नए पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 3 अप्रैल को दुर्ग माहेश्वरी महिला मंडल के आतिथ्य में श्रीमती ज्योति जी राठी द्वारा शपथ दिलाकर संपन्न हुआ।

अष्टसिद्धा–व्यक्तित्व विकास समिति की तराने अंताक्षरी प्रतियोगिता 6 जिलो में अलग अलग होती हुई 3 अप्रैल 2023 को दुर्ग में अंताक्षरी फिनाले राउंड संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश की पांच जिलों ने पार्टिसिपेट किया हर टीम में चार बहनें थी इसमें प्रथम राजनंदगांव एवं द्वितीय रायपुर जिला की टीम रही। सुहाने राजनांदगांव–प्रीति चितलांगिया , पिंकी धूत, दीप्ति टावरी, दीपा बागड़ी, टीम परवाने रायपुर – अर्चना डागा, अंजू राठी, मीनाक्षी राठी ,तारा चांडक, सभी को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदेश द्वारा दिया गया।

संस्कृति सिद्धा–होली आई धूम मचाई मनाया फागोत्सव।

05.06.23

राधा कृष्ण की जोड़ी बन. भूमिका भावीका ने बना दिया महाउत्सव। टाइटल संग मिला ताज महामूर्ख महामूर्खानी का ठंडाई ,नृत्य, कामेडी और गेम्स के साथ आनंद लिया। फाग में 900 से अधिक सदस्यों की उपस्थिति थी। आकर्षण होली का सफल आयोजन मन में लाया भूषण.. आये गणगोर इसर 16 दिन की धूम मची। घुडला ,जवारा विवाह रस्मे16 श्रृंगार से गणगोर माता सजी। 40 उद्यापन, गोट शोभा यात्रा के साथ गणगोर हुआ संपन्न।

नवसंवत 2080 को दीप जला ,रंगोली सजी, ध्वज लगी और नवरात्रि का त्योहार मना।

कन्या पूजन, भोजन, ज्योत विसर्जन से हुआ समापन..

प्रदेश स्तरीय राम लेखन प्रतियोगिता मे पुरे छत्तीसगढ़ से...टोटल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

5 पुरस्कार एवं 5 सांत्वना पुरस्कार दिये गए विजेताओं के नाम–सपना जाजू (कांकेर), पिंकी धूत (राजनांदगांव), रुचि टावरी (कोंडागांव), वेदिका गांधी (राजनादगांव), शोभा लोहिया (राजनांदगांव) राम लेखन के सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट देकर प्रदेश द्वारा सम्मानित किया गया।

स्वयंसिद्धा – 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस अलग–अलग ढंग से मना कहीं पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिला तो कहीं उद्यमी महिलाओं को श्रीफल शॉल देकर सम्मानित किया गया। टाइटल, हाउजी, गेम्स ,पिकनिक आदि तरीकों से महिलाओं ने एक दिन अपने लिए समय निकाला और महिला दिवस मनाया।

दुर्ग महिला मंडल ने गाइनेकोलॉजिस्ट को बुलाकर सेल्फ अवेयरनेस का सब्जी वाली एवं कामवाली बाईयो के लिए एक सेमिनार करवाया ।

ज्ञान सिद्धा –इस समिति के अंतर्गत सम्मान समारोह में विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। हर सीट हॉट सीट के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

संचार सिद्धा–मार्च महीने में इस समिति की धूम रही फलयोग कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, होली गणगोर एवं अप्रैल में होने वाले सम्मान एवं शपथ समारोह के लिए इस समिति से अनेकों फ्लायर और वीडियो प्रदेश में निकले।

विशेष–श्रीमती ज्योति जी राठी का राष्ट्रीय महामंत्राणि बनने पर रायपुर अभनपुर एवं दुर्ग में भव्य स्वागत एवं सत्कार किया गया। श्रीमती भावना जी राठी को ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति के लिए राष्ट्रीय समिति प्रभारी बनाया गया. प्रदेश में भावना जी का सम्मान एवं सत्कार किया गया।

प्र.अ.–शशि गट्टानी ⁎ प्र.स. रूपा मूंदड़ा

प्रस्तावित आगामी घोषणा मुख्य कार्यक्रम

⁎ राष्ट्रीय प्रकल्प के रूप में विधान समिति का गठन
⁎सामाजिक मंच के माध्यम से प्रतिभाओं का अभिनंदन कर अन्य लोगों को प्रेरणा व प्रोत्साहन
⁎राष्ट्रीय स्तर पर निशुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन
⁎ Each one Teach one की तर्ज पर जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में (1 साल की फीस देकर) आर्थिक सहयोग प्रदान करना
⁎ माहेश्वरी समाज द्वारा संचालित संस्थानों में माहेश्वरी समाज के जरूरतमंद महिलाओं को नौकरी आदि में प्राथमिकता देना।
⁎ C.A., C.S., Doctor, Advocate, Administrative Services af Highly Educated Professional महिलाओं का डाटा संकलन

इस प्रकार आप सभी के सहयोग से समाज के उत्थान के लिए हम सभी तत्पर व प्रयासरत रहेगे

धन्यवाद ! जय श्री राम !

मंजु बांगड राष्ट्रीय अध्यक्ष
T5, 502 आइकोनिक टावर, एमरोल्ड गार्डन, स्वरूप नगर, कानपुर उ0 प्र0 208002
Call. 9336117968 Email: manjubangur19gmail.com

05.06.23

विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

सावित्रीबाई, जीजामाता, आनंदीबाई, स्मृती मानधना, सुधा मूर्ती के जीवन पर नाटिका का आयोजन

15 अप्रैल 2023 को विदर्भ प्रदेश का पदग्रहण समारंभ मंध्याचल उपाध्यक्षा श्रीमती उर्मिलाजी कलंत्री द्वारा विधीवत शपथ दिवाकर 225 कार्यकर्ता बहनो की उपस्थिती मे किया गया ।

अष्टसिद्धा समिति–उर्मिलाजी कलंत्री द्वारा संगठन की कार्य प्रणाली पर मार्गदर्शन 215 बहनों ने हिस्सा लिया।

टेरेफिक तहसील – 4 अलगअलग राऊंड लेकर 5 तहसील बहनो को संगठन ओर स्मार्टनेस पर ट्रेझर हटं, संस्कृती, समयसुचकता को लेकर प्रतियोगिता ली गई।

संस्कारसिद्धा समिति–बाल संस्कार एवंम किशोरी समिती के शिबिर का 3 जिलो मे आयोजन हुआ। 175 बच्चो ने हिस्सा लिया। करियर काउंसलिंग पर युवाओं के लिए मार्गदर्शन रखा।

स्वंयसिद्धा समिति–उर्मिलाजी कलंत्री तथा भारती जी राठी के हातो संगठन के लिए समर्पित विदर्भ प्रदेश की पूर्वाध्यक्षा, पदाधिकारी, संयोजिका, सहसयोजिका, जिला अध्यक्षा ,सचिवा का सन्मान गांधीजी के चरखे देकर किया।

ज्ञानसिद्धा समिति–जीजा इसी का नाम है प्रतियोगिता मे सावित्रीबाई, जीजामाता, आनंदीबाई, स्मृती मानधना, सुधा मूर्ती के जीवन पर नाटिका का आयोजन विभिन्न संगठनों द्वारा किया गया।

संस्कृतीसिद्धा समिति–राष्ट्रीय संगठन के आदेशानुसार हनुमान जन्मोत्सव मे 11 जिलो के 5000 महिला पुरुषोओ ने सुंदरकांड , हनुमान चालीसा का संगितमय पढन कर 5 ीळवशे का चयन कर आनंदमय प्रोजेक्ट को संपन्न किया। परशुराम जयंती मे शोभायात्रा और रॅली का आयोजन किया।

रघुकुल रितसिध्दा समिति–भगवतीजी बलदुवा, हैदराबाद द्वारा मन की बात में पारिवारिक विषयों पर मार्गदर्शन रखा। लाभार्थी – 175 भाई बहने।

संकल्पसिद्धी समिति–जिलों में परशुराम जयंती पर छाछ एवंम शरबत का वितरण किया। 3500 लोगो ने लाभ लिया। कॉलेज मे सेनेटरी पॅड मशिन भेंट दी गई। 80 थैलेसिमिया के बच्चे ओर रिश्तेदार मिलाकर 250 लोगों को भोजन करवाया।

संचार सिद्धा समिति–हनुमान जन्मोत्सव, आखातीज की शुभकामनाए संदेश, जन्मदीन की बधाई, 19 अप्रैल को पदाधिकारीयो की झूम मिटीग का आयोजन तथा सदस्यों की जानकारी हेतु Google फार्म बनाया।

युगलसिध्दा समिति–जरुरत मंद कन्या के शादी में साडी,मंगलसुत्र ओर पायल भेट दी।

संजिवनसिध्दा समिति–संस्कार शिबिर मे डेन्टल चेकअप कॅम्प ओर टुथब्रश पेस्ट ओर दवाई का वितरण किया। थैलोसिमीया के 80 बच्चो का चेकअप किया। डॉक्टर टीम फ्री मे बैंगलोर से बुलाई गई। खेल प्रतियोगिता में बाक्स क्रिकेट, खोखो सिनियर्स के लिए म्यूजिकल चेअर आयोजित की।

प्र.अध्यक्षा –सुषमा बंग ⁎ प्र.सचिव–निलीमा मंत्री

नारी दया, करुणा, प्रेम और ममता की पवित्र मूर्ति होती हैं। नारी ही मनुष्य की जन्मदात्री होती हैं, जिसके हृदय में सूर्य जैसा तेज, समुद्र जैसी गंभीरता, चन्द्रमा जैसी शीतलता, पर्वतों जैसी मानसिक उच्चता, पृथ्वी जैसी क्षमता होती है।

05.06.23

उत्तरांचल

पूर्वी उत्तरप्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

नवीन त्रयोदश सत्र की कार्य योजना बनाई, की राम युग की अगुआई

राम युग प्रारंभ हर ओर
ज्ञान का प्रकाश चहु ओर
कही होली के रंग,तो कहीं फूलों की महक
कही राधा कृष्ण का रास तो कहीं बच्चों की चहक
कही हंसी के फ़व्वारे तो कही कवियों की महफिल
होली के विभिन्न रंगों मैं चहक उठा पूरे पूर्वी का दिल
जब बात हो गणगौर के सिंजारे एवं व्रत,
पूजा की ,तो इसमें कैसे रह जाये हम पीछे
सजधज ,सोलह शृंगार कर हमारी
बहन बेटियों और बहुओं पर चंद्रमा भी रीझे
कहीं सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ,
तो कही गौरा ईसर की झांकियाँ,
लज़ीज़ व्यंजनों ,विभिन्न प्रतियोगिताओं ,
मज़ेदार गेम्स ने सबके चेहरों पर बड़ी सी मुस्कान ला दी।
सभी संस्थाओं मैं हनुमान जन्मोत्सव
पर रहा सुंदरकांड का बोलबाला।
65 बहनों ने ज़ूम सभागार मैं सामूहिक
रूप से 450 हनुमान चालीसा का पाठ कर डाला ।
राष्ट्रीय समिति प्रभारी ,युगल सिद्धा ,
श्रीमती शर्मिला जी का हुआ वाराणसी आगमन
बहनों ने पूरे जोश के साथ किया उनका स्वागत अभिनंदन
जहां उन्होंने ज्वलंत समस्या,
बढ़ते तलाक़ को रोकने का किया आवाहन
वहीं दूसरी और पूर्व संयुक्त मंत्री उत्तरांचल
श्रीमती शशि जी नेवर ने दिया प्रोटोकॉल का ज्ञान।
अक्षय तृतीया का महत्व एवं क्यों मनाया
जाये, पर दी गई पूरी जानकारी।
डॉ शिवानी चोला ने डे टू डे डेंटल केयर पर दिया
वक्तव्य ताकि दूर हो जाए सबकी दांतों की बीमारी।

अध्यक्ष :भारती करवा ⁂ सचिव :पुष्पा माहेश्वरी

पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

जरूरतमंद कन्याओं का किया विवाह, दिए कपड़े, गिफ्ट, बर्तन, चांदी व सोने के आभूषण

अष्टसिद्धा–जूम पर कार्यसमिति एवं कार्यकारिणी बैठक आयोजित। क्रमशः 20 एवं 58 बहनें उपस्थित आगामी कार्य योजनाएं प्रस्तावित।

संस्कारसिद्धा–2 संगठनों द्वारा गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को आर्थिक सहयोग।

स्वयंसिद्धा–मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्या के कर कमलों से हुआ फुलवारी हॉट का उद्घाटन। आगरा द्वारा आयोजित मेले में विभिन्न प्रकार के लगे 54 स्टॉल्स।

संस्कृतिसिद्धा–हनुमान जयंती पर 15 जिलों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड वाचन। 19 वीडियो प्राप्त चयनित 5 वीडियो राष्ट्र को प्रेषित। कीर्तन,भंडारा,एवं शोभायात्रा निकाली गई 7 संगठनों द्वारा अक्षय तृतीया पर्व पर ठाकुर जी की प्रसादी व गरीबों में जरूरत का सामान वितरित।

रघुकुल रीतसिद्धा–हनुमान प्राकट्य दिवस पर परिवार के साथ सुंदरकांड पाठ किया गया।

05.06.23

संकल्पसिद्धा–3 संगठनों द्वारा गौशाला में चारा व वैदिक आश्रम में खड़ाऊं एवं खाद्य सामग्री वितरित।

संचारसिद्धा–प्रदेश द्वारा सभी संगठनों की बहनों का डाटा एकत्रित। प्रदेश ग्रुप पर त्योहारों की शुभकामनाए, मंगल अमंगल संदेश,जन्म दिवस की बधाइयां प्रेषित। जूम पर बैठकें आयोजित।

युगलसिद्धा –4 संगठनों द्वारा जरूरतमंद कन्याओं का विवाह कराया, कपड़े, गिफ्ट, बर्तन, चांदी के सोने के आभूषण, 200 लोगों के भोजन की व्यवस्था एवं 34300 की धनराशि प्रदान।

संजीवनसिद्धा–2 संगठनों द्वारा गरीबों में दवाइयां वितरित।

विशेष–प.उत्तरप्रदेश से श्रीमती मंजूषाजी राठी संकल्पसिद्धा ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति की उत्तरांचल सहप्रभारी चयनित। शपथ ग्रहण समारोह नवोदिता का सफलता पूर्ण आयोजन।

जिला अलीगढ़ का दादो संगठन पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन से जुड़ा।

प्र.अध्यक्ष–मोनिका माहेश्वरी ❊
प्र.सचिव–मनीषा राठी

मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन

नवीन त्रयोदश सत्र की कार्य योजना बनाई

घोष वाक्य–''पर उपकार वचन मन काया'' रखा

मध्य उत्तर प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन एवं श्री माहेश्वरी महिला मंडल कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के रा.पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी कानपुर पधारे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मंजु जी बांगड रामायण से ही उदृत **''पर उपकार वचन मन काया''** को राष्ट्रीय आह्वान के रूप में उदघोषित कर 2023 – 2026 नवीन त्रयोदश सत्र की कार्य योजना बनाई। त्रयोदश सत्र प्रभु श्रीराम के आदर्शों को समर्पित है।

दस अलग अलग समितियों अष्टसिद्धा, संस्कारसिद्धा, स्वयंसिद्धा, ज्ञानसिद्धा, संस्कृतिसिद्धा,रघुकुल रीतिसिद्धा, संकल्पसिद्धा,संचारसिद्धा,युगल सिद्धा, संजीवनीसिद्धा के अंतर्गत कार्ययोजना बनाई गई और G+ राष्ट्रीय सह प्रभारी नियुक्त किये गये।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम उर्वीजा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्रीमती प्रीति जी तोषनीवाल एवम सभी अंचल के रा.उपाध्यक्ष, रा.संयुक्त मंत्री,कार्यालय मंत्री उपस्थित थे। सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के स्वागत में तथा जनक नंदिनी के प्राकट्य उत्सव जानकी नवमी के उपलक्ष्य में उर्वीजा नृत्य नाटिका का मंचन किया।

1. अष्टसिद्धा –कानपुर महिला मंडल को राष्ट्रीय पदाधिकारी का आतिथ्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिसमे प्रदेश की सभी बहनों ने मिलकर कार्यक्रम का कार्यभार संभाला। इस कार्यक्रम में 145 स्वजनों की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय पदाधिकारी सम्मान समारोह में उरई एवम मैनपुरी की बहनों की सहभागिता रही। **घृत और सिंदूर को करियो रे ऊबटनो, बालाजी रो लाड लाडवा माता अंजनी।**

2. संस्कृति सिद्धा (आध्यात्म एवं परंपरा समिति) –

05.06.23

प्रदेश के सभी जिले कानपुर ,उरई, एवं मैनपुरी मंडल, राठ, जालौन, झांसी मंडल के सदस्यों ने अपने घरों में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 21 सुंदरकांड एवम 501 हनुमान चालीसा का पाठ किया एवम 2 मिनट का वीडियो प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया ।

अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य कानपुर महिला मंडल, उरई महिला मंडल एवं मैनपुरी माहेश्वरी महिला मंडल के सदस्यों ने लड्डू गोपाल का श्रृंगार कर घर में खिचड़ा बनाकर भोग लगाया। सीता नवमी के उपलक्ष्य में संस्कृतिक कार्यक्रम रामायण की लघु नाटिका प्रस्तुत किया। माह गायों को गुड़ और चारा खिलाया गया ।

अध्यक्ष–श्रीमती सीमा झंवर ❊ सचिव–श्रीमती नीलम मंत्री

हरियाणा पंजाब माहेश्वरी महिला संगठन

मां गंगा को चुनरी और दान पुण्य किया

होली का पर्व नृत्य ,स्क्रिप्ट, चंग और हास्य कविताओं से संवारा गया। महिला दिवस पर महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए गायनो सेशन लगाया गया। गणगौर सिंजारे पारंपरिक गीत ,गेम ,गणगौर क्रीन , ईश्वर गौर सजाओ ,शोभायात्रा ,मेहंदी, विदाई साफा बांधकर रैली इत्यादि द्वारा मनाए गए । चैत्र नवरात्रि पर गरीब बच्चों को स्टेशनरी का सामान वितरित किया गया। ज्ञान ज्योति एजुकेशन को 5000 की आर्थिक सहायता दी गई । जीवम फाऊंडेशन 48000 की आर्थिक सहायता दी गई।

रामनवमी पर्व को भजन और शोभायात्रा से मनाया गया। हनुमान जयंती के उपलक्ष में जूम पर सुंदरकांड पाठ का संचालन प्रदेश की बहनों द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि मंजू जी मांधना की उपस्थिति में दोहों का गायन, भजन प्रस्तुति ,राम नाम वाला इत्यादि से सुंदरकांड से चार चांद लग गए। करीब 130 बहनों ने इसमें भाग लिया।

अक्षय तृतीया पर आध्यात्मिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के अंतर्गत 9 टीमों ने भाग लिया और करीब 100 बहनों की उपस्थिति में प्रथम और द्वितीय इनाम निकाले गए। वैशाख मास में मां गंगा को चुनरी और दान पुण्य किया गया। खजुराहो के गरीब आदिवासियों को पुराने वस्त्रों के साथ ढाई सौ साड़ियां वितरित की गई।

राष्ट्रीय द्वारा आई रघुकुल रीत सिद्धा समिति के अंतर्गत सुंदरकांड के पाठ की वीडियो बनाकर भेजी गई ।

विशेष प्रदेश से सुमन जी जाजू को संस्कार समिति की उत्तरांचल सह प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया। वहीं मंजू जी सोमानी को रघुकुल रीत सिद्धा की उत्तरांचल सह प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया।

कपूर हमारे सुख का प्रतीक

आरती की थाली में प्रायः तीन चीजों को हम लगभग एक साथ जलाते हैं, जैसे कपूर, धूप और दीप।

कपूर शीघ्र जल जाता है, धूप काफी देर तक जलती है और दीप सबसे अधिक समय तक। कई बार सोचा कि इसके पीछे क्या रहस्य हो सकता है ?

एक विद्वान ने इसका आध्यात्मिक दर्शन पर मत व्यक्त किया कि कपूर हमारे सुख का प्रतीक है। सुख बीतते समय नहीं लगता। धूप हमारे दुःख का प्रतीक है जो हमे लंबे समय तक जलता रहता है।

दीप हमारे आनन्द का प्रतीक है क्योकि एक बार जलने के बाद सबसे अधिक टिकता है। इसलिए ही अखंड दीप की अवधारणा ने जन्म लिया। हम सब अखंड दीप जलाते हैं। इसका अर्थ है की जीवन में अखण्ड आनंद की कामना करते हैं। लोग प्रायः दीपावली को अखण्ड दीप जलाते हैं।

05.06.23

दक्षिणांचल

तमिलनाडू केरल पांडुचेरी माहेश्वरी महिला संगठन

''हमारे परिजन ही हमारी धरोहर'' रघुकुल रीत सिद्धा का आयोजन

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की तमिलनाडू केरल पॉण्डिचेरी की प्रदेश के तत्वावधान में रघुकुल रीत सिद्धा समिति द्वारा, सत्र 2023–2026 का प्रथम कार्यक्रम 09/05/23 को ज़ूम ऐप पर रखा गया। विषय : '''वर्तमान में आदर्श परिवार का स्वरूप'' इस कार्यक्रम के मुख्य वक़्ता डा.आदित्य शुक्ला जी थे।

शुक्ला जी के व्यक्तित्व में साहित्य,शास्त्र एवम् विज्ञान की त्रिवेणी है। एक सामाजिक वैज्ञानिक की तरह पुराणों के गूढ़ ज्ञान को, सामान्य व्यक्ति, विशेषकर युवाओं के लिए सरल एवम् उपयोगी बनाना है। आदित्य जी की लेखन एवम् व्याख्यान शैली की विशेषता है। कार्यक्रम के दौरान ,शुक्ला जी ने श्री राम परिवार को संदर्भ में रख कर,वर्तमान पारिवारिक समस्याओं का अवलोकन करते हुए,उनके निवारण के कुछ उपयोगी सूत्र बताये। उन्होंने कहा,परिवार में एक–दूसरे का सहयोग और विचारों का सम्मान होना चाहिए। संबंध उद्देश्यपूर्ण तथा इनमें प्रगाढ़ता होनी चाहिए। परिवार की ऊर्ज़ा का सही उपयोग होने से किसी में भी मनमुटाव नहीं होगा। परिजन,पुरजन,मित्र और हितैषी सब मानव जीवन में मिलें है और इनको सम्भाल कर रखना चाहिए। इन्होंने परिवार का सामर्थ्य बढ़ाने और उसको जोड़े रखने में नारी शक्ति को सर्वोपरि बताया।ज़ूम पर सौ से भी ज्यादा लोगों की उपस्थिति रही और सभी इनके व्याख़ान से लाभान्वित हुए।

प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ममता जी दमानी ने महेश वंदना एवम् सुवचनों से कार्यक्रम का आगाज़ किया। प्रदेश संयोजिका श्रीमती पुष्पा जी मूंदड़ा ने मधुर दोहों का वाचन करते हुवे कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम में श्रीमती शिख़ाजी भदादा (राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक), श्रीमती अर्चना जी काबरा (राष्ट्रीय समिति प्रभारी) एवं श्रीमती कमलाजी तोषणीवाल (दक्षिणंचल सह प्रभारी) की उपस्थिति, उनके आशीर्वाद वचनों सहित रही।

अतिथियों का परिचय कंचन जी राठी , सोनल जी तापडिया , सुनीता जी सुरजन व प्रेम जी लखोटिया ने दिया। अंत में प्रदेश सचिव उर्मिला जी कोठारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

अध्यक्ष – ममता दमानी ❊ सचिव–उर्मिला कोठारी

माहाराष्ट्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

द केरला स्टोरी मूवी 'लव जिहाद पर आधारित निशुल्क दिखाई

प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक संपन्न । पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लताजी लाहोटी का 75 वा जन्मदिन मनाया। सभी जिला व समिति का गठन ।

महिला उत्थान तहत नारी तू खुद की खोज में निकल, बढ़ती उम्र और बच्चों के संग व्यवहार, द्रोपदी एक तेजस्विनी नारी तू शक्ति दायिनी आधुनिक काल में बच्चों की परवरिश एक चुनौती, समाज में बढ़ते तलाक व समस्या, लव जिहाद की वास्तविकता और गंभीरता पर व्याख्यान । महिला के कलागुण विकास, सुरक्षा शिविर । नासिक में अपराजिता महिला सशक्तिकरण मेला मार्गदर्शक डॉ रीना, श्री रमेशजी मर्दा, भगवती जी बल्दुआ । जलगांव

05.06.23

ऑल टाइप मेकअप 3 दिवसीय शिविर – जिला से 75 महिला व ब्यूटीशियनस का सहभाग, मॉडल मेकअप स्पर्धा 13 प्राइज व सर्टिफिकेट दिए।

थाना टीम बिल्डिंग अंतर्गत स्पोर्ट्स वूमेनिया कार्यक्रम 9 टीम की 136 महिला सहभागी, वार्मअप परेड, महिला समस्या पर नुक्कड़ नाटक, टीम बिल्डिंग गेम्स आयोजित। महिला सशक्तिकरण – एकता की ताकत दिखाना उद्देश्य। 1 नुक्कड़ नाटिका बेटी को जल्दी ब्याओ बहू को खूब पढ़ाओ – भारत में पॉपुलर । नांदेड़ – गोदावरी घाट स्वच्छता ।

415 बोतल रक्त संकलित । अनेक आरोग्य शिविर, 5 व 2 किलोमीटर मैराथन, साइकलीथॉन आयोजन । योग, आरोग्य पर व्याख्यान । बीड़ में डॉक्टर बहनें 'त्योहारों में खानपान पर नाटिका द्वारा जन जागरण । एक जरूरतमंद को 65000 की मदद – बांगड वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा ।

किशोरी मंडलों की स्थापना । बाल संस्कार शिविर में बच्चों की सांस्कृतिक बौद्धिक ट्रेनिंग । नासिक में 64000 के चार जलकुंभ निर्माण। 1 फ्रिज दान अन्य जगह 4 जलकुंभ निर्माण । जरूरतमंदों को पानी ,मटकियां, फल, शक्कर,छन्नी, तरबूज, मटकीस्टैंड चप्पल, छत्री वितरण । बड़े पैमाने पर

पानी शरबत का बसस्टैंड, चौराहे पुलिसस्टेशन पर वितरण । जरूरतमंद को मेडिकल किट, बाल कवच कीट, साड़ियां, ड्रेस भोजन सामग्री वितरण । हरिद्वार जाते बच्चों को भोजन सामग्री । तीन सगाई संपन्न, पुणे में 840 बच्चों का वधु वर सम्मेलन । नांदेड़ में सामूहिक विवाह में 11 जोड़ों को भेटवस्तु प्रदान ।15 जोड़ों की 50 वा विवाहदिन मनाया व सफलता का राज जाना । 2 वधु को कन्यादान सामग्री ।

विशेष जलगांव में 270 माहेश्वरी बेटियां, महिला को PVR पर द केरला स्टोरी मूवी 'लव जिहाद पर आधारित निशुल्क दिखाई । महिला सेवा ट्रस्ट एक सिलाई मशीन जलगांव जिला में दी।

मैं और मेरे अपने का विमोचन

ज्ञान सिद्धा साहित्य समिति अंतर्गत–आज का कार्यक्रम कला कहानी कहने की बहुत शानदार रहा, जिसमें भक्ति जी राठी की मधुर आवाज में महेश वंदना प्रस्तुत की गई।

प्रदेश अध्यक्ष सुनीता जी पल्लोड ने शुभकामनाएं दी। प्रदेश सचिव सुनीता जी चरखा ने शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय समिति प्रदर्शक प्रमुख अतिथि आ मंजू जी मानधना आशीर्वचन के रूप में मार्गदर्शन किया। विशेष अतिथि राष्ट्रीय समिति प्रभारी अनुराधा जी जाजू ने अपने मनोभाव व्यक्त किए। विशेष अतिथि दक्षिणांचल उपाध्यक्ष अनुसया जी मालू ने शुभकामनाएं दी और हमारी सभी सलाहकार बहने आ लता जी लाहोटी,कल्पना जी गगरानी, शैला जी कलंत्री, निर्मला जी करवा, पुष्पा जी तोषनीवाल, जोत्सना जी लाहोटी, प्रदेश के पदाधिकारी महाराष्ट्र प्रदेश की समिति संयोजीकाए सभी सह संयोजीकाए उपस्थित थी।

हमारी बहुत पुरानी कार्यकर्ता आदरणीय कमला जी कालानी की किताब मैं और मेरे अपने का विमोचन हुआ। रेखा जी मूंदड़ा का परिचय कंचन जी बाहेती ने दिया। वक्ता रेखा जी मूंदड़ा ने बहुत ही आसान शब्दों में कहानी कहने की कला के बारे में विश्लेषण किया उनकी कथाकथन शैली का तोड़ नहीं। पूरे वक्तव्य में इस चीज की अनुभूति हो रही थी । अनेक छोटी–छोटी बातों को लेकर विवेचन किया। जैसे हाथों का उपयोग कैसे करें आंखों का उपयोग कैसे करें। आवाज का उपयोग कैसे करें। जिज्ञासा बढ़ाने के लिए किस टाइप में स्टोरी आगे बढ़ाएं। स्टोरी टेलिंग के समय आसपास के वातावरण का भी ख्याल रखें। ऐसे अनेक बातें आपने अपने उद्बोधन में कही

ज्ञान सिद्धा समिति सहप्रभारी दक्षिणांचल आदरणीय सरोज जी गट्टानी ने बहुत सटीक शब्दों में कार्यक्रम की समीक्षा की। नीलम जी सोमानी ने बहुत मीठी मधुर आवाज में कार्यक्रम का सूत्र संचालन किया। और आभार प्रदर्शन सुमिता जी मूंदड़ा ने किया। 212 बहनें लाभान्वित हुईं।

अध्यक्ष–सुनीता पलोड ⁂ सचिव–सुनीता चरखा

05.06.23

कर्नाटक गोवा प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन

यमुना चुनरी मनोरथ यात्रा का आयोजन उल्लासपूर्वक सम्पन्न

अष्टसिद्धा व्यक्तित्व विकास एवं नेतृत्व प्रशिक्षण समिति–प्रदेश की प्रथम पदाधिकारी बैठक अध्यक्ष सरोज जी कासट के नेतृत्व में माहेश्वरी महिला मंडल बागलकोट के आतिथ्य में आयोजित हुई बैठक में व्यक्तित्व विकास के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें सभी सलाहकार एवं शोभा जी भूतड़ा ने नेतृत्व के गुणों को प्रकाशित करते हुए प्रत्येक पद की कार्यप्रणाली को समझाया।

10 समितियों के अंतर्गत सुचारु रुप से कार्य करने हेतु संयोजिका एवं सह संयोजिका की चयन प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हुई।

संस्कारसिद्धा बाल एवं किशोरी विकास समिति–शोरापुर में माहेश्वरी महिला मंडल के अंतर्गत गांव की बहुओं ने 10 दिन का समर कैंप बच्चों के लिए लिया इसमें तरह तरह के कार्यक्रम जैसे योगा डांस क्राफ्ट भगवान के श्रलोक और कई डिशेस बनाना और बहुत कुछ सिखाया गया। 5 अप्रैल से 15 अप्रैल तक रायचूर में और बच्चों के प्रोत्साहन हेतु उपहार वितरण भी किया गया।

संस्कृतिसिद्धा अध्यात्म व परंपरा समिति–हनुमान जन्मोत्सव–जिस काण्ड की कथा सुन्दर नामक पर्वत पर प्रारंभ एंव समाप्त होती हैं, जिस काण्ड में प्रभु श्रीरामजी की सूचना माता सीता को मिली और माता सीता की सूचना प्रभु श्रीराम को मिली ऐसे भक्ती से भरपूर सुन्दर–काण्ड का पाठ का आयोजन अदभुत झलकियां द्वारा राष्ट्रीय आदेश पर प्रदेश स्तर पर सभी स्थानीय महिला मंडल जैसे कलबुर्गी बेंगलुरु दांडेली बागलकोट शोरापुर रायचूर तेरदाल शाहबाद बागलकोट गुलेदगुड्ड बेल्लारी विजयापुर बेलगावी और जमखंडी मैं भक्ति भाव से सभी सखियों के साथ संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया।

रघुकुल रीतसिद्धा पारिवारिक समरसता व परामर्श समिति–कलबुर्गी माहेश्वरी एवं राजस्थानी महिला मंडल

द्वारा ब्रिज विनोदिनी यमुना चुनरी मनोरथ यात्रा का आयोजन 24 अप्रैल से 28 अप्रैल तक किया गया। पांच दिवसीय इस यात्रा में 89 सखियों ने बृंदावन एवं मथुरा के अनेक मंदिरों के दर्शन करते हुए आनंद उल्लास के साथ सुरक्षित घर पहुंचे।

संकल्पसिद्धा ग्राम विकास व राष्ट्रोदय समिति–पावन पुनीत वैशाख मास के निमित्त प्रदेश के काकती तालुका में स्थित सिद्धेश्वर गौशाला में अनोखे गौ तुलादान व अन्न दान कर हनुमान चालीसा भजन के साथ आनंद उल्लास से महाप्रसाद लेते हुए करीब 55000 का दान धर्म माहेश्वरी महिला मंडल शाहपुर बेलगाम ने किया।

संचारसिद्धा तकनीकी ज्ञान समिति–तकनीकी समिति के बहनों द्वारा प्रदेश स्तर पर एवं स्थानीय में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी फेसबुक पर प्रसारित करना एवं होने वाले पर्व एवं कार्यक्रमों के आमंत्रण एवं शुभकामना पत्र बनाया गया।

05.06.23

अध्यक्ष सरोज कासट ⁂ सचिव सुनीता लाहोटी

पंजाब-हरियाणा प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

द्वादश सत्र पदाधिकारी

कार्यसमिति
सौ. पूनम पी.पी. माहेश्वरी (राठी)

प्रदेश अध्यक्ष
सौ. सुमन जाजू

प्रदेश सचिव
सीमा मूंदड़ा

सम्माननीय कार्यसमिति
सौ. आशा लड्ढा

कार्यकारिणी
सौ. रेखा राठी

कार्यकारिणी
नीतू भूतड़ा

कार्यकारिणी
सौ. मंजू भुराड़िया

कार्यकारिणी
सौ. मंजू सोमानी

कार्यकारिणी
सौ. शशि काबरा

कार्यकारिणी
सौ. सविता माहेश्वरी

कार्यकारिणी
सौ. रिम्पी कोठारी

कार्यकारिणी
सौ. जयश्री पेड़ीवाल

उत्कल प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन

द्वादश सत्र पदाधिकारी

कार्यसमिति
अस्मिता मूंदड़ा

अध्यक्ष
सुनीता राठी

सचिव
संगीता मारु

कोषाध्यक्ष
शशि डोंगरा

संगठन मंत्री
उषा मूंथड़ा

उपाध्यक्ष
कमला चांडक

उपाध्यक्ष
सुनिता इन्नानी

सहमंत्री
गीता सोमानी

कार्यकारिणी
पुष्पा सोमानी

कार्यकारिणी
अंजलि दरगड़

कार्यकारिणी
नीलम झंवर

पत्रिका पंजीयन क्र./2001/6505
दिनांक 29/04/2002
पोस्ट पंजीयन क्र. 536

पोस्ट दिनांक

प्रेषक :
माहेश्वरी महिला
22/15, यशवंत निवास रोड
इन्दौर (म.प्र.)

प्रकाशक एवं व्यवस्थापक–श्रीमती सुशीला काबरा, माहेश्वरी महिला समिति 22/15 यशवंत निवास रोड, इन्दौर से प्रकाशित एवं अप्सरा फाईन आर्ट प्रिंटर्स, 89, एम.जी. रोड, इन्दौर 2434147 से मुद्रित।